नई दिल्ली से हिन्दी, अंग्रेजी एवं उर्दू भाषा में प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका

सांई सेना टाइम्स

वर्ष : 9, अंक : 6, जून : 2019, मूल्य : 2 रुपए, पृष्ठ : 24

भाजपा मुख्यालय पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अध्यक्ष अमित शाह और वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने माला पहनाकर स्वागत किया

आप सभी देशवासियों को आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने पर हार्दिक बधाई- सांई सेना परिवार

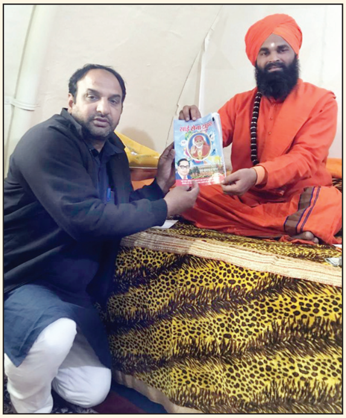

उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी जी को सांई सेना टाइम्स पत्रिका भेंट करते हुए भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था।

चोपटा उत्तराखंड में तुंगनाथ मंदिर के दर्शन करते हुए भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था अपने पूरे परिवार के साथ। भगवान भोलेनाथ का यह मंदिर भारत में सबसे ऊंचाई पर है।

चौ. रणवीर सिंह, शालिनी कायदान, भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था, सुनीता सिंह, कमल खत्री भीमशिला केदारनाथ मंदिर के दर्शन करने के बाद फोटो लेते हुए।

शनिधाम मंदिर वृंदावन में 25-5-19 को रणवीर सिंह, शालिनी कायदान, कमल खत्री, भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था, सुनीता सिंह दर्शन करने के बाद सेल्फी लेते हुए।

फेस ग्रुप द्वारा आयोजित सिविल लाइन में रोज़ा इफ्तार में मौजूद भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था, संजय सिंह, नेहा शर्मा, गीता शर्मा, मास्टर के.सी. शर्मा। इस अवसर पर मुख्तार अंसारी ने दुशाला डालकर भाई सुरजीत सिंह का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गांव कोटला मयूर विहार फेस-1 के चौ. विरन के पुत्र के विवाह समारोह में उपस्थित भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था, चौ. विजेन्द्र, जयविन्दर, देवेन्द्र आदि।

नोएडा सुदर्शन टीवी पर मालेगांव में निर्दोष श्री असीमानंद महाराज का इंटरव्यू लेने के बाद सुदर्शन टीवी के चेयरमैन सुरेश चौहान के, निमेश दीक्षित स्वयं सेवक, सुवास्थी त्रिपाठी व अन्य।

RNI NO.- DELMUL/2011/36823 DL(E)-20/5355/2017-19
Addl.CP(Licensing), No-F2(S/28) Press/2010

सांई सेना टाइम्स

संपादक
भाई सुरजीत सिंह

राज्य प्रतिनिधि
वीना सिंह-राजस्थान, आदित्य सक्सेना-मध्य प्रदेश, के.के. कॉल-जम्मू-कश्मीर, सुनीता चौधरी-दिल्ली, डॉ. एकनाथ भागचंद गोंदकर-महाराष्ट्र, विशाल खेड़ा-मुंबई, अक्षय सर्राफ-इंदौर, अशोक खाम्बेकर-शिरडी प्रतिनिधि, भावना एम. ब्रह्मभट्ट-गुजरात, भवानी सिंह शेखावत-नागपुर, पृथ्वीराज गुर्जर-हिमाचल प्रदेश, विक्रम अरोड़ा-हरियाणा, संजीव गुप्ता-पंजाब, राजेश कुमार-उत्तर प्रदेश, अतुलेश वर्मा-बिहार, जयकृत बिष्ट-उत्तराखंड, मनीश वर्मा-झारखंड, आर.चंद्रा-आंध्र प्रदेश, दृष्टि गुप्ता-नोएडा, संदीप सिंह-गाजियाबाद, सुनील सिंह-लोनी

पत्राचार : सांई सेना टाइम्स, चिल्ला, सांई मंदिर, मयूर विहार, फेस-1, एक्स., दिल्ली-110091

Ph. : 011-22711648, Mob.- 9810134254, 9599214254
E-mail : saisenatimes@gmail.com,
saisena02@gmail.com,
bhaisurjeetsinghcouncillor209@gmail.com,
saimandirnyastrust@gmail.com,
trilokpurisaidhammandir@gmail.com,
facebook : sai.sena.90, saimandirtrust,
bhaisurjeetsingh, trilokpurisaidhammandir

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और संपादक श्री सुरजीत सिंह के द्वारा मेसर्स वंदना प्रिंट एंड कंपनी, 633/634 गंज मीर खान, वार्ड्स एक्स, दरियागंज, दिल्ली- 110002 से मुद्रित करा कर सांई सेना के लिए 53-54, डीडीए फ्लैट, चिल्ला गांव, मयूर विहार, फेस-1, दिल्ली-91 से प्रकाशित किया।

नोट : सभी विवादों का निपटारा नई दिल्ली की सीमा में आने वाले सक्षम अदालतों/फोरमों में किया जाएगा।

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	विषय	पृष्ठ
1.	संपादकीय : ऐतिहासिक सफलता	4
2.	गीता सार : भगवान असंख्य रूपों...	5
3.	श्री सांई सच्चरित्र : भागवत और...	6
4.	फिर चला मोदी मैजिक...	7
5.	सांई गायकों की गतिविधियां	8
6.	नागपुर समाचार	9
7.	शिरडी समाचार	10
8.	भंडारे की सूची	11
9.	सांई भक्तों की गतिविधियां	12-13
10.	राज्यों से समाचार	14-19
11.	इंटरनेशनल योगा (अंग्रेजी)	20
12.	उर्दू लेख	21
13.	स्वास्थ्य : खूब पीएं पानी...	22

'सांई सेना टाइम्स'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
Ph. : 011-22711648, Mob.- 9810134254, 9599214254
E-mail : saisenatimes@gmail.com

'सांई सेना टाइम्स' में सभी पद अवैतनिक हैं। प्रकाशित विचारों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

E-mail : bhaisurjeetsinghcouncillor209@gmail.com

संपादकीय...

ऐतिहासिक सफलता

निश्चित रूप से यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी—भारतीय जनता पार्टी—की शानदार जीत है। अब तक के नतीजों और रुझानों को देखते हुए न केवल मतों की फीसद और सीटों की बढ़ी तादाद के लिहाज से बल्कि जनाधार में भौगोलिक विस्तार की दृष्टि से भी भाजपा की यह ऐतिहासिक सफलता है। ऐसे कि भाजपा ने देश के पूरब, उत्तर, मध्य और पश्चिमी के रणनीतिक रूप से अहम सभी सूबों पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया है। कर्नाटक—तेलंगाना छोड़ कर बाकी सूबों में नतीजे लाने लायक भाजपा की पैठ अभी नहीं बनी है। इस तरह पांच दशकों में यह पहली बार है, जब कोई पार्टी अपने दम पर पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौट रही है। एंटी—एंकम्बेंसी के कुछ वाजिब मुद्दों के बावजूद। वह भी तब जब दिसम्बर 2018 में भाजपा हिन्दी पट्टी के अपने तीन मजबूत गढ़ों—मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान—को कांग्रेस के हाथों हार गई थी। इसके बाद भाजपा और उसके एनडीए की पुनर्वापसी को असंभव नहीं तो कठिन माना जाने लगा था। तेलुगूदेशम जैसे कई साथी कई बहानों से साथ छोड़ रहे थे। इनके बावजूद नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की टीम ने क्षेत्रीय—वर्गीय आधारों पर मुद्दों को बारीकी से चुनते हुए उन्हें अपना 'संकल्प' बनाया। फिर अपने बेहद संगठित, गतिशील और सतत जुनूनी चुनाव अभियान के जरिये जीत के राष्ट्रीय नैरेटिव को ही बदल दिया। पूरे कार्यकाल प्रायः सभी क्षेत्रों में विकास ने इस अवधारणा को भी बदल दिया है कि देश में एकल दल के दखल वाला आजादी बाद का दौर अब नहीं लौटने वाला। इसे भी कि भारत जैसे वैविध्यपूर्ण राष्ट्र राज्य में सत्ता—संतुलन बनाये रखने के लिहाज से एक कमजोर राष्ट्रीय पार्टी की कमान में क्षेत्रीय दलों वाली सरकार जायज होगी। दरअसल, इस मान्यता की शुरुआत 1977 में केंद्र में जनता पार्टी सरकार के गठन से होती है, जो राजीव गांधी सरकार के कालखंड को छोड़ कर कांग्रेस—यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार तक जारी रहती है। इस सिलसिले को नरेन्द्र मोदी ही पहली बार 2014 में तोड़ते हैं। 2019 में अपनी अगुवाई में भाजपा को लगातार दूसरी बड़ी जीत दिला कर मानो यह मुनादी करते हैं कि अकेली पार्टी का दौर कहीं गया नहीं है। यह मुनादी उस वक्त में है, जब मोदी सरकार के कार्यकाल की अंतिम पांच तिमाही में आर्थिक विकास दर सबसे कम 6.6 फीसद है।

■ भाई सुरजीत सिंह
मुख्य संपादक : सांई सेना टाइम्स
अध्यक्ष सांई सेना, संस्थापक चिल्ला सांई मंदिर, (ॐ सांई मंदिर न्यास ट्रस्ट, (रजि.)
पूर्व निगम पार्षद, मयूर विहार फेस-1, दिल्ली-91, मो. : 9810134254

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की टीम ने क्षेत्रीय-वर्गीय आधारों पर मुद्दों को बारीकी से चुनते हुए उन्हें अपना 'संकल्प' बनाया। फिर अपने बेहद संगठित, गतिशील और सतत जुनूनी चुनाव अभियान के जरिये जीत के राष्ट्रीय नैरेटिव को ही बदल दिया। पूरे कार्यकाल प्रायः सभी क्षेत्रों में विकास ने इस अवधारणा को भी बदल दिया है कि देश में एकल दल के दखल वाला आजादी बाद का दौर अब नहीं लौटने वाला। इसे भी कि भारत जैसे वैविध्यपूर्ण राष्ट्र राज्य में सत्ता-संतुलन बनाये रखने के लिहाज से एक कमजोर राष्ट्रीय पार्टी की कमान में क्षेत्रीय दलों वाली सरकार जायज होगी। दरअसल, इस मान्यता की शुरुआत 1977 में केंद्र में जनता पार्टी सरकार के गठन से होती है, जो राजीव गांधी सरकार के कालखंड को छोड़ कर कांग्रेस-यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार तक जारी रहती है। इस सिलसिले को नरेन्द्र मोदी ही पहली बार 2014 में तोड़ते हैं। 2019 में अपनी अगुवाई में भाजपा को लगातार दूसरी बड़ी जीत दिला कर मानो यह मुनादी करते हैं कि अकेली पार्टी का दौर कहीं गया नहीं है।

भगवान् असंख्य रूपों में प्रकट होते हैं

(गतांक से आगे...)

मैं उन आदि पुरुष श्रीभगवान् गोविंद की पूजा करता हूं जो अद्वैत, अच्युत तथा अनादि हैं। यद्यपि अनंत रूपों में उनका बिस्तार है, किंतु तो भी वे आद्य, पुरातन तथा नित्य नवयौवन युक्त रहते हैं। श्रीभगवान् के ऐसे सच्चिदानन्द रूप को प्राय: श्रेष्ठ वैदिक विद्वान जानते हैं, किंतु विशुद्ध अनन्य भक्तों को तो उनके दर्शन नित्य ही होते रहते हैं। ब्रह्मसंहिता में (५.३९) यह भी कहा गया है-

रामादिमूर्तिषु कलानियमेन तिष्ठन् नानावतारमकरोद् भुवनेषु किन्तु। कृष्णः स्वयं समभवत् परमः पुमान् यो गोविन्दमादिपुरुषं तमहं भजामि।।

मैं उन श्रीभगवान् गोविंद की पूजा करता हूं जो राम नृसिंह आदि अवतारों तथा अंशावतारों में नित्य स्थित रहते हुए भी कृष्ण नाम से विख्यात आदि पुरुष हैं और जो स्वयं भी अवतरित होते हैं।

वेदों में भी कहा गया है कि अद्वैत होते हुए भी भगवान असंख्य रूपों में प्रकट होते हैं। वे उस वेदूर्यमणि के समान हैं जो अपना रंग परिवर्तित करते हुए भी एक ही रहता है। इन सारे रूपों को विशुद्ध निष्काम भक्त ही समझ पाते हैं। केवल वेदों के अध्ययन से उनको नहीं समझा जा सकता (वेदेषु दुर्लभमदुर्लभमात्मभक्तौ)। अर्जुन जैसे भक्त कृष्ण के नित्य सखा हैं और जब भी भगवान् अवतरित होते हैं तो उनके पार्षद भक्त भी विभिन्न रूपों में उनकी सेवा करने के लिए उनके साथ-साथ अवतार लेते हैं। अर्जुन ऐसा ही भक्त हैं और इस श्लोक पता चलता है कि लाखों वर्ष पूर्व जब भगवान कृष्ण ने भगवद्गीता का प्रवचन सूर्यदेव विवस्वान् से किया ता तो उस समय अर्जुन भी किसी भिन्न रूप में उपस्थित थे। किंतु भगवान् तथा अर्जुन में यह अंतर है कि भगवान ने यह घटना याद रखी, किंतु अर्जुन इसे याद नहीं रख सके। अंश रूप जीवात्मा तथा परमेश्वर में यही अंतर है। यद्यपि अर्जुन को यहां परम शक्तिशाली वीर के रूप में संबोधित किया गया है, जो शत्रुओं का दमन कर सकता है, किंतु विगत जन्मों में जो घटनाएं घटी हैं, उन्हें स्मरण रखने में वह अक्षम है।

अत: भौतिक दृष्टि से जीव चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, व कभी परमेश्वर की समानता नहीं कर सकता। भगवान का नित्य संगी निश्चित रूप से मुक्त पुरुष होता है, किंतु वह भगवान के तुल्य नहीं होता। ब्रह्मसंहिता में भगवान को अच्युत कहा गया जिसका अर्थ होता है कि वे भौतिक सम्पर्क में रहते हुए भी अपने को नहीं भूलते। अत: भगवान् तथा जीव कभी भी सभी तरह से एक समान नहीं हो सकते, भले ही जीव अर्जुन के समान मुक्त पुरुष क्यों न हो। यद्यपि अर्जुन भगवान का भक्त है, किंतु कभी-कभी वह भी भगवान की प्रकृति को भूल जाता है। किंतु दैवी कृपा से भक्त तुरंत भगवान की अच्युत स्थिति को समझ जाता है जबकि अभक्त या असुर इस दिव्य प्रकृति को नहीं समझ पाता।

फलस्वरूप गीता के विवरण आसुरी मस्तिष्कों में नहीं चढ़ पाते। कृष्ण को लाख वर्ष पूर्व सम्पन्न कार्यों की स्मृति बनी हुई है, किंतु अर्जुन को स्मरण नहीं है

-: गीता सार :-

यद्यपि अर्जुन तथा कृष्ण दोनों ही शाश्वत स्वभाव के हैं। यहां पर हमें यह भी देखने को मिलता है कि शरीर-परिवर्तन के साथ-साथ जीवात्मा सब कुछ भूल जाता है, किंतु कृष्ण सब स्मरण रखते हैं, क्योंकि वे अपने सच्चिदानंद शरीर को बदलते नहीं। वे अद्वैत हैं जिसका अर्थ है कि उनकी शरीर तथा उनकी आत्मा में कोई अंतर नहीं है। उनसे संबंधित हर वस्तु आत्मा है, जबकि बद्धजीव अपने शरीर से भिन्न होता है। चूंकि भगवान के शरीर तथा आत्मा अभिन्न है। अत: उनकी स्थिति तब भी सामान्य जीव से भिन्न बनी रहती है, जब वे भौतिक स्तर पर अवतार लेते हैं। असुरगण भगवान की इस दिव्य प्रकृति से तालमेल नहीं बैठा पाते, जिसकी व्याख्या अगले श्लोक में भगवान स्वयं करते हैं।

अजोऽपि सन्नव्ययात्मा भूतानामीश्वरोऽपि सन्। प्रकृतिं स्वामधिष्ठाय सम्भवाम्यात्ममायया।।

यद्यपि मैं अजन्मा तथा अविनाशी हूं और यद्यपि मैं समस्त जीवों का स्वामी हूं, तो भी प्रत्येक युग में मैं अपने आदि दिव्य रूपों में प्रकट होता हूं।

(शेष अगले अंक में)

23वां सांई मंदिर स्थापना दिवस उत्सव पर विशाल सांई भजन संध्या शिवपार्क मंगल धाम मंदिर सेक्टर-18 नोएडा में भजन गायक आलोक मिश्रा के द्वारा 26 मई 2019 को हुआ। जिसमें भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था, सुनीता सिंह कोषाध्यक्ष चिल्ला सांई मंदिर और भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री सांई सच्चरित्र

भागवत और विष्णुसहस्रनाम प्रदान कर अनुगृहीत करना, गीता रहस्य, दादासाहेब खापर्डे

(गतांक से आगे...)

यथार्थ में कोई व्यक्ति, चाहे वे जितना वेद वेदांतों में पारंगत क्यों न हो, परंतु ब्रह्म पद को पहुंचे हुए व्यक्ति के समक्ष उसका शुष्क ज्ञान प्रकाश नहीं दे सकता। दादा चार मास तथा उनकी पत्नी सात मास वहां ठहरीं। वे दोनों अपने शिरडी-प्रवास से अत्यंत प्रसन्न थे। श्रीमती खापर्डे श्रद्धालु तथा पूर्ण भक्त थीं, इसलिए उनका सांई चरणों में अत्यंत प्रेम था। प्रतिदिन दोपहर को वे स्वयं नैवेद्य लेकर मस्जिद को जाती और जब बाबा उसे ग्रहण कर लेते, तभी वे लौटकर अपना भोजन किया करती थी।

बाबा उनकी अटल श्रद्धा की झांकी का दूसरों को भी दर्शन कराना चाहते थे। एक दिन दोपहर को वे सांजा, पूरी, भात, सार, खीर और अन्य भोज्य पदार्थ लेकर मस्जिद में आईं।

और दिनों तो भोजन प्रायः घंटों तक बाबा की प्रतीक्षा में पड़ा रहता था, परंतु उस दिन वे तुरंत ही उठे और भोजन के स्थान पर आकर आसन ग्रहण कर लिया और थाली पर से कपड़ा हटाकर उन्होंने रुचिपूर्वक भोजन करना प्रारम्भ कर दिया। तब शामा करने लगी कि, 'यह पक्षपात क्यों? दूसरों की थाली पर तो आप दृष्टि तक नहीं डालते, उल्टे उन्हें फेंक देते हैं, परंतु आज इस भोजन का आप बड़ी उत्सुकता और रुचि से खा रहे हैं। आज

इस बाई का भोजन आपको इतना स्वादिष्ट क्यों लगा? यह विषय तो हम लोगों के लिए एक समस्या बन गया है।' तब बाबा ने इस प्रकार समझाया-

'सचमुच ही इस भोजन में एक विचित्रता है। पूर्व जन्म में यह बाई एक व्यापारी की मोटी गाय थी, जो बहुत अधिक दूध देती थी। पशुयोनि त्यागकर इसने एक माली के कुटुम्ब में जन्म लिया। उस जन्म के उपरांत फिर यह एक क्षत्रिय वंश में उत्पन्न हुई और इसका ब्याह एक व्यापारी से हो गया। दीर्घकाल के पश्चात इनसे भेंट हुई है। इसलिए इनकी थाली में से प्रेमपूर्वक चार ग्रास तो खा लेने दो।' ऐसा कहकर बाबा ने भरपेट भोजन किया और फिर हाथ-मुंह धोकर और तृप्ति की चार-पांच डकारें लेकर वे अपने आसन पर पुनः आ विराजे। फिर श्रीमती खापर्डे ने बाबा को नमन किया और उनके पाद-सेवन करने लगी। बाबा उनसे वार्तालाप करने लगे और साथ-साथ उनके हाथ भी दबाने लगे। इस प्रकार परस्पर सेवा करते देख शामा मुस्कराने लगा और बोला की 'देखो तो, यह एक अद्भुत दृश्य है कि भगवान और भक्त एक-दूसरे की सेवा कर रहे हैं।' उनकी सच्ची लगन देखकर बाबा अत्यंत कोमल तथा मृदु शब्द में अपने श्रीमुख से कहने लगे कि अब सदैव 'राजाराम, राजाराम' का जाप किया करो और यदि तुमने इसका अभ्यास क्रमबद्ध कर लिया तो तुम्हें अपने जीवन के ध्येय की प्राप्ति अवश्य हो जायेगी।

तुम्हें पूर्ण शांति प्राप्त कर अत्यधिक लाभ होगा, अध्यात्मिक विषयों से अपरिचित व्यक्तियों के लिए यह घटना साधारण सी प्रतीत होगी परंतु शास्त्रीय भाषा में यह 'शक्तिपात' के नाम से विदित है, अर्थात् गुरु द्वारा शिष्य में शक्ति संचार करना। बाबा के वे शब्द कितने शक्तिशाली और प्रभावकारी थे जो एक क्षण में ही हृदय-कमल में प्रवेश कर गये और वहां अंकुरित हो उठे।

यह घटना गुरु-शिष्य संबंध के आदर्श की द्योतक है। गुरु-शिष्य दोनों को एक-दूसरे के अभिन्न जानकर प्रेम और सेवा करनी चाहिए, क्योंकि उन दोनों में कोई भेद नहीं है। वे दोनों अभिन्न और एक ही हैं। जो कभी पृथक नहीं हो सकते। शिष्य गुरुदेव के चरणों पर मस्तक रख रहा है, यह तो केवल बाह्या दृष्यमात्र है। आंतरिक दृष्टि से दोनों अभिन्न और एक ही हैं तथा उनमें भेद समझता है, वह अभी अपरिपक्व और अपूर्ण ही हैं।

श्री सद्गुरु सांईनाथार्पणमस्तु
शुभं भवतु!

अधिकाधिक लोगों को मिले 'आयुष्मान' भारत का लाभ

नई दिल्ली। अश्विनी कुमार चौबे ने मंगलवार को स्वास्थ्य राज्य मंत्री के रूप में कामकाज संभाला। वह अपने घर से मेट्रो से उद्योग भवन स्टेशन पहुंचे और वहां से निर्माण भवन स्थित अपने दफ्तर तक पैदल चलकर गए।चौबे ने कामकाज संभालने से पहले पूजा की और निर्माण भवन परिसर में पांच पौधे रोपे। चौबे को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पुनः स्वास्थ्य राज्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के अपने प्रयासों को जारी रखेंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ मिले।

फिर चला मोदी मैजिक, विपक्ष पस्त

राष्ट्रवाद, सुरक्षा, हिंदू गौरव और नवीन भारत का ताना-बाना बुनती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' देश भर के मतदाताओं को इस कदर रास आई कि भाजपा ने मोदी के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार केंद्र में भारी बहुमत से सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए। इस चुनाव ने 68 बरस के नरेंद्र दामोदरदास मोदी को पिछले कई दशकों में सबसे लोकप्रिय नेता बना दिया। चुनाव आयोग द्वारा जारी मतगणना के आंशिक आंकड़ों के अनुसार भाजपा इस बार 2014 से बेहतर प्रदर्शन करने की राह पर है। मतदान के आखिरी चरण में 'अबकी बार 300 पार' का भाजपा का नारा सही साबित होता दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है ' के नारे का मतदाओं पर कोई असर हुआ नहीं दिखा।

शाम 4.30 तक भाजपा ने 542 में से पांच सीटें जीत ली है और 294 सीटों पर आगे है। सात चरण में हुए मतदान में जनता ने विपक्षी गठबंधन को नकार दिया है और रुझानों के अनुसार कांग्रेस पार्टी सिर्फ 50 सीटों पर आगे है। अंतिम नतीजों तक रुझान यही रहते हैं तो भाजपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन में उसके सहयोगी 344 सीट जीत जाएंगे, जबकि 2014 में उन्होंने 336 सीटें जीती थी। भाजपा ने पिछली बार खुद 282 सीटें जीती थी। ये नतीजे पिछले पांच साल में मोदी की लोकप्रियता, उनकी सरकार की उपलब्धियों और उनके चुनाव अभियान पर मुहर लगाते हैं। बालाकोट हवाई हमले के बाद भाजपा का पूरा चुनाव अभियान राष्ट्रीय सुरक्षा और हिंदुत्व पर केंद्रित था। उन्होंने वंशवादी राजनीति और देश की हालत के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराया। विरोधी दलों ने भाजपा के अभियान को धुव्रीकरण और तोड़ने वाली राजनीति से प्रेरित बताया था। इसके बावजूद देश भर में मोदी की लहर दिखी और पार्टी के शानदार चुनाव प्रबंधन ने भौगोलिक, जातिगत, उम्र, लिंग और आर्थिक स्थिति के तमाम बंधनों को तोड़ डाला। उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के गठबंधन से मिली चुनौती के बीच भाजपा 80 में से 59 सीटों पर आगे है। सपा छह

वीना सिंह रघुवंशी
महासचिव, सांई सेना संस्था

और बसपा 11 सीटों पर आगे है। भाजपा ने पिछली बार उत्तर प्रदेश में 71 सीटें जीती थी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सिर्फ एक सीट पर आगे है। मोदी लहर सिर्फ हिन्दी भाषी प्रदेशों और गुजरात में ही नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी रही। केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश को यह छू नहीं सकी। तेलंगाना में भाजपा चार सीटों पर आगे है। आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी हार रही है।

सांई सेना (रजि.) का सदस्य बनने हेतु फार्म भरें

'सांई सेना' एक गैर राजनीतिक सामाजिक संगठन है। इस संस्था में कोई भी सरकारी नौकरी तथा किसी भी राजनीतिक दल का व्यक्ति जुड़ सकता है। यह दीन, दुखियों, गरीब लोगों की सहायता के लिए बनाई गई है। इस समय सांई सेना संस्था (रजि.) के द्वारा 21 कार्य निःशुल्क किए जा रहे हैं, जिसकी सूची पत्रिका के अंतिम पेज में दी गई है। 'सांई सेना टाइम्स' नामक इस मासिक पत्रिका को सांईबाबा की अधिकतर गतिविधियों को सांई भक्तों तक पहुंचाने के साथ ही सामाजिक, राजनीतिक व अन्य रोचक खबरों को प्रकाशित करने के उद्देश्य से निकाला गया है। सांई सेना का ध्येय है कि इसका प्रकाशन निर्बाध चलता रहे इसके लिए आपका सदस्य बनना जरूरी है। आप भी साल में एक बार अपनी सामर्थ्य के अनुसार एक रुपये से लेकर अपनी इच्छानुसार 'दान' देकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बन सकते हैं। संस्था में दान देने के बाद आपका परिचय पत्र भी बनेगा। अतः अपना फोटो भी देने का कष्ट करें।

■ **चिल्ला, सांई मंदिर, मयूर विहार, फेस-1, एक्स., दिल्ली- 110091**
फोन नं. : 011- 22711648, 9810134254

दिनांक : .... नाम : ....

पता : ....

टेलीफोन नं. : .... ईमेल : ....

चैक/डीडी 'सांई सेना' के नाम से भेजें

डीडी नम्बर : .... बैंक : .... दिनांक : .... हस्ताक्षर....................

फोटो

नोट : इस संस्था में जो सदस्य 250/- से ज्यादा दान एक वर्ष में देंगे उन्हें हर महीने पत्रिका मुफ्त घर पर पहुंचाई जायेगी। यदि आप इस संस्था के सदस्य बन चुके हैं तो इसे व्यर्थ न करें। किसी अन्य को दे दें ताकि वे भी संस्था का सदस्य बनकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बन सकें। **धन्यवाद!**

चिल्ला सांई मंदिर पर भजन गायक 'मुकेश दिलखुश एंड पार्टी' द्वारा बाबा का गुणगान

वीरवार 2 मई को भजन गायक 'मुकेश दिलखुश एंड पार्टी' को चिल्ला सांई मंदिर मयूर विहार पर बाबा का गुणगान करने के लिए आमंत्रित किया गया। भजन गायक मुकेश दिलखुश एंड पार्टी के साथ उनकी पूरी मंडली थी। मुकेश दिलखुश एंड पार्टी ने बाबा के कई रूपों से सुसज्जित भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर झूमने पर विवस दिया। मुकेश दिलखुश एंड पार्टी ने देर रात तक भजन सुनाने के बाद आरती कार्यक्रम में भाग लिया और फिर बाबा का प्रसाद लेकर भक्त अपने-अपने घर गए।

चिल्ला सांई मंदिर पर 'नयाज़ नूर कुतबी एंड पार्टी' द्वारा बाबा का गुणगान

वीरवार 9 मई को भजन गायक 'नयाज़ नूर कुतबी एंड पार्टी' को चिल्ला सांई मंदिर मयूर विहार पर बाबा का गुणगान करने के लिए आमंत्रित किया गया। 'नयाज़ नूर कुतबी एंड पार्टी' के साथ उनकी पूरी मंडली भी थी। पार्टी ने बाबा के कई रूपों से सुसज्जित भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 'नयाज़ नूर कुतबी एंड पार्टी' ने देर रात तक भजन सुनाने के बाद आरती कार्यक्रम में भाग लिया और फिर बाबा का प्रसाद लेकर भक्त अपने-अपने घर गए।

चिल्ला सांई मंदिर पर 'डीके परम और निखिल परम एंड पार्टी' द्वारा बाबा का गुणगान

वीरवार 16 मई को भजन गायक 'डीके परम और निखिल परम एंड पार्टी' को चिल्ला सांई मंदिर मयूर विहार पर बाबा का गुणगान करने के लिए आमंत्रित किया गया। भजन गायक 'डीके परम और निखिल परम एंड पार्टी' के साथ उनकी पूरी मंडली थी। 'डीके परम और निखिल परम एंड पार्टी' ने बाबा के कई रूपों से सुसज्जित भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पार्टी भजन सुनाने के बाद आरती कार्यक्रम में भाग लिया और फिर बाबा का प्रसाद लेकर भक्त अपने-अपने घर गए।

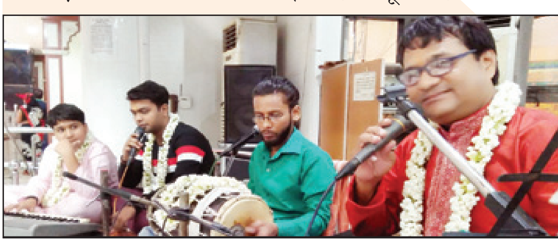

चिल्ला सांई मंदिर पर भजन गायिका 'प्रवीन शर्मा एंड पार्टी' द्वारा बाबा का गुणगान

वीरवार 23 मई को भजन गायिका 'प्रवीन शर्मा एंड पार्टी' को चिल्ला सांई मंदिर मयूर विहार पर बाबा का गुणगान करने के लिए आमंत्रित किया गया। भजन गायिका 'प्रवीन शर्मा एंड पार्टी' के साथ उनकी पूरी मंडली थी। 'प्रवीन शर्मा एंड पार्टी' ने बाबा के कई रूपों से सुसज्जित भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर झूमने पर विवस दिया। 'प्रवीन शर्मा एंड पार्टी' ने देर रात तक भजन सुनाने के बाद आरती कार्यक्रम में भाग लिया और फिर बाबा का प्रसाद लेकर भक्त अपने-अपने घर गए।

चिल्ला सांई मंदिर पर भजन गायक सतीश दीवाना एंड पार्टी द्वारा बाबा का गुणगान

वीरवार 30 मई को भजन गायक 'सतीश दीवाना एंड पार्टी' को चिल्ला सांई मंदिर मयूर विहार पर बाबा का गुणगान करने के लिए आमंत्रित किया गया। भजन गायक 'सतीश दीवाना एंड पार्टी' के साथ उनकी पूरी मंडली थी। पार्टी ने बाबा के कई रूपों से सुसज्जित भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर झूमने पर विवस दिया। 'सतीश दीवाना एंड पार्टी' ने देर रात तक भजन सुनाने के बाद आरती कार्यक्रम में भाग लिया और फिर बाबा का प्रसाद लेकर भक्त अपने-अपने घर गए।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को प्राथमिकता देगें : नितिन गडकरी

नागपुर। देश के सामने रोजगार सृजन एक बड़ी चुनौती है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने मुझे एक लघु और मध्यम उद्यम खाता दिया है। गडकरी ने कहा कि इस विभाग में काम करने के दौरान मैं ग्रामीण क्षेत्रों और कृषि क्षेत्र को रोजगार देना चाहूंगा। मैंने अभी तक लक्ष्य तय नहीं किया है। हालांकि, केंद्रीय मंत्रियों को भरोसा है कि इस साल उत्पन्न नौकरियों में ये आंकड़े निश्चित रूप से बदलेंगे।

उन्होंने कहा कि देश के विकास में इन उद्योगों की बड़ी हिस्सेदारी है। एक अर्थ में, ये उद्योग देश की अर्थव्यवस्था के कण हैं। देश की विकास दर इन उद्योगों पर निर्भर करती है। इन विभागों के लिए काम करने का जबरदस्त अवसर है। इसके माध्यम से मेरा मुख्य उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था को विकसित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा करना होगा। यह खाता लोड बहुत बड़ा है। गडकरी ने कहा कि इन उद्योगों के उत्पादों का निर्यात बढ़ाया जाना चाहिए ताकि मैंने अभी तक लक्ष्य तय नहीं किया है। हालांकि, इस साल के रोजगार के आंकड़े निश्चित रूप से बदल जाएंगे। पिछले पांच वर्षों में राजमार्गों के निर्माण की गति में वृद्धि हुई है। वर्तमान स्थिति में, राजमार्गों के निर्माण की गति प्रति दिन 32 किलोमीटर है। साथ में, देश की जनसंख्या 125 करोड़ है उन्होंने यह भी घोषणा की कि पेड़ों को राजमार्गों पर रखा जाएगा।

सिंचाई परियोजना को पूरा करें : महाराष्ट्र में सिंचाई बढ़ाने की आवश्यकता है। 108 खाली करने वाली डीजल जनधन योजनाएं और प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत 26 सिंचाई परियोजनाएं भरी जाएंगी। यदि मैं विभाग का मंत्री नहीं हूं, तो मैं इन सभी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए देखूंगा। गडकरी ने कहा कि धन की कमी नहीं होगी।

नागपुर समाचार : भवानी सिंह शेखावत

जल्द शुरू होगा एनडीआरएफ की नई एकेडमी का निर्माण कार्य : अधिकारी

नागपुर के नजदीक स्थित सुरदेवी गांव में एनडीआरएफ अकादमी के एक नए परिसर का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनडीआरएफ महानिदेशक एस एन प्रधान ने बृहस्पतिवार को बताया कि अकादमी का शिलान्यास समारोह इस साल जून में होने की उम्मीद है और सितंबर में निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। वर्तमान एनडीआरएफ एकेडमी नागपुर में सिविल लाइंस इलाके में स्थित है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुये प्रधान ने कहा, 'सुरदेवी में 153 एकड़ भूमि में एनडीआरएफ एकेडमी का नया परिसर बनेगा। यहां आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया जाएगा।' उन्होंने बताया कि दो से तीन साल में काम पूरा होने की उम्मीद है। प्रधान ने बताया, यह एकेडमी सभी दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के लिए एक प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में सेवा देगी।

निवेदन : ॐ सांईराम

आप सभी से निवेदन है कि 'सांईसेना परिवार यूट्यूब' (SaisenaPariwar youtube) चैनल को सब्सक्राइब जरूर करें और दोस्तों को फोन पर भी करने को कहें, सांईसेना परिवार के नाम से ही यूट्यूब पर है। आप सभी को सांईबाबा का भजन सुनने को मिलेगा... ॐ सांईराम

भाई सुरजीत सिंह
अध्यक्ष सांई सेना संस्था

https://youtu.be/kk6BdM-BLjg

होम व कार लोन होंगे सस्ते

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नीतिगत दर में चौथाई फीसद की कमी की। इससे मकान, वाहन और अन्य कर्ज की मासिक किस्त कम होने की उम्मीद है। इस साल यह तीसरा मौका है जब केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में कटौती की है और इससे यह नौ साल के न्यूनतम स्तर पर आ गई है। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए शीर्ष बैंक ने आने वाले समय में नीतिगत दर में और कटौती के भी संकेत दिए। इस समय आर्थिक वृद्धि दर भाजपा के नेतृत्व में वर्ष 2014 में एनडीए के सत्ता में आने के बाद के न्यूनतम स्तर पर है। रिजर्व बैंक की रेपो दर ताजा कटौती के बाद 5.75 फीसद हो गई है। इससे रिवर्स रेपो दर 5.50 फीसद पर आ गई है। यह उम्मीद की जा रही है कि बैंक इस कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को देंगे जिससे मकान, वाहन और अन्य कर्ज की मासिक किस्तें कम होंगी।

शिरडी समाचार ● अशोक खांबेकर

सांई बाबा टेम्पल जयपुर में शिरडी सांई मंदिर के ट्रस्टी विपिन दादा शंकर राव कोल्हे व अन्य सांई बाबा का आशीर्वाद लेते हुए।

आज तक के पत्रकार राजदीप सरदेसाई शिरडी सांई मंदिर के ट्रस्टी विपिन दादा शंकर राव कोल्हे का साक्षात्कार लेते हुए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ शिरडी सांई मंदिर के ट्रस्टी विपिन दादा शंकर राव कोल्हे।

कानपुर में सांई मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर शिरडी सांई मंदिर के ट्रस्टी विपिन दादा शंकर राव कोल्हे व अन्य और पूजन में शामिल भक्तगण।

लखनऊ में एक मुलाकात के दौरान फिल्म अभिनेता विवेक ओबेराय के साथ शिरडी सांई मंदिर के ट्रस्टी विपिन दादा शंकर राव कोल्हे।

श्री सांईधाम कल्याण समिति, बी.आर. दुबे इन्क्लेव, देवारोड चिनहट लखनऊ में सांईबाबा की प्राणप्रतिष्ठा का आयोजन 17-18-19 मई 2019 को रखा गया जिसमें शिरड़ी से पुजारी पं. चन्द्रशेखर कुलकर्णी जी अपने चार पंडितों के साथ विधिवत समारोह संपन्न करवाया। वातावरण बन जाने पर सांई की प्रतिमा स्थापित की गई और बाबा साक्षात रूप से उसमें समा गये। शिरड़ी सांई बाबा संस्थान के सदस्य मुख्य अतिथि श्री विपिन दादा शंकरराव कोल्हे जी ने बाबा की आरती कुलकर्णी जी के साथ की बहुत ही ऊर्जात्मक वातावरण रहा। इस अवसर पर सांईधाम कल्याण समिति के ट्रस्टी प्रवीण कुमार सिंह, राजेश अरोडा ,बब्बू, नागेश प्रताप सिंह, पंकज वैश्य आमंत्रित सांईभक्तो में जयशंकर वर्मा, संजय मिश्रा, आनन्द कुमार, मीनू सचदेवा, पंकज ओहरी, अजय त्रिपाठी मुन्ना, अशोक श्रीवास्तव, पं. उमाशंकर, पं. रोहित मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, हरीश सनवाल, सर्वेश चौहान, अरविंद शुक्ला, एना पाठक, सोनिया, रश्मि सक्सेना, अर्चना मिश्रा, विजयशंकर, मनीष श्रीवास्तव, अजय चंदेल, शिवराम त्रिपाठी, प्रताप सिंह, अन्नू वर्मा, प्रताप सिंह, अंजू वर्मा, सुनील वर्मा, शिव कुमार गुप्ता, पवन अवस्थी, समिति के सदस्यों, अन्य साई भक्तों ने महसूस की उनके मुंह से सांईबाबा का जयघोष स्वतः ही निकल उठा। समिति के ट्रस्टी राजेश अरोड़ा जी ने विशिष्ट सांई भक्तों को बाबा का दुपट्टा और प्रतीक चिन्ह सिक्का/ऊदी विपिन दादा के हाथों देकर सम्मानित किया। अंत में सभी को सायं भजन संध्या में आने और भंडारा प्रसाद ग्रहण कर जाने का अनुरोध कर समारोह संपन्न होने की घोषणा की।

चिल्ला सांई मंदिर : मयूर विहार पर मई महीने में भंडारा एवं वस्त्र अर्पित करने और सांई भजन गाने वालों की सूची

- **2-5-2019** को सांई भक्त शालू और उनका पूरा परिवार पॉकेट-सी, मयूर विहार फेस-2 ने शाम सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **2-5-2019** को साईं भक्त सावित्री गुप्ता और उनका पूरा परिवार पॉकेट-1, मयूर विहार फेस-1 ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **2-5-2019** को साईं भक्त आदित्य सक्सेना अपने परिवार के साथ साईं बाबा को सुबह के वस्त्र अर्पित किये।
- **2-5-2019** को साईं भक्त के.के. कॉल ने साईं बाबा को शाम के वस्त्र अर्पित किये।
- **2-5-2019** को सांई भक्त आदित्य सक्सेना अपने परिवार के साथ सांई बाबा को सुबह के वस्त्र अर्पित किये।
- **2-5-2019** को सांई भक्त के.के. कॉल ने अपने परिवार ने सांई बाबा को शाम के वस्त्र अर्पित किये।
- **7-5-2019** को सांई भक्त शेखर पाकेट-1, मयूर विहार फेस-1 ने शाम सांई बाबा को मटर-पुलाव-छोले-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **9-5-2019** को सांई भक्त दीप्ती शर्मा और उनका पूरा परिवार सहयोग अपार्टमेंट मयूर विहार फेस-1 ने शाम सांई बाबा को छोले पूरी हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **9-5-2019** को सांई भक्त जयदीप 114, गोविंद अपार्टमेंट वसुंधरा, मयूर विहार फेस-1 ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **9-5-2019** को सांई भक्त डॉ. मीरा और उनका पूरा परिवार मयूर विहार फेस-1 ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **16-5-2019** को सांई भक्त श्री हरी प्रसाद, सतीस और उनका पूरा परिवार 24/211 त्रिलोकपुरी, मयूर विहार फेस-1 ने शाम सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **16-5-2019** को सांई भक्त कामाक्षी जोशी उनका पूरा परिवार सी-55, आईएफएस अपार्टमेंट मयूर विहार ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **22-5-2019** को सांई भक्त श्रीराम 76 पॉकेट एफ, मयूर विहार फेस-1 ने ने अपने पुत्र विग्नेश के जन्मदिन के अवसर पर दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **23-5-2019** को सांई भक्त एच.पी. शर्मा सेक्टर-36 नोएडा अपने परिवार के साथ शाम सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **29-5-2019** को सांई भक्त प्रमोद अग्रवाल 58 मेघा अपार्टमेंट मयूर विहार फेस-1 ने सुबह सांई बाबा को आलू-पूरी-खीर का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **30-5-2019** को सांई भक्त गर्व खन्ना बी-205 वर्धमान अपार्टमेंट मयूर विहार फेस-1 ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।
- **30-5-2019** को सांई भक्त बी.के. जैन, शुक्ला जैन सी-507 आनंदलोक अपार्टमेंट मयूर विहार फेस ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी -हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

सांई भक्तों की गतिविधियां

चिल्ला सांई मंदिर पर 9-5-19 को सांई भक्त जयदीप 114 गोविंद अपार्टमेंट वसुंधरा, मयूर विहार फेस-1 ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

चिल्ला सांई मंदिर पर 9-5-19 को साईं भक्त दीप्ती शर्मा और उनका पूरा परिवार सहयोग अपार्टमेंट, मयूर विहार फेस-1 ने शाम सांई बाबा को छोले-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

चिल्ला सांई मंदिर पर 16-5-19 को साईं भक्त कामाक्षी जोशी और उनका पूरा परिवार सी-55 आईएफएस अपार्टमेंट मयूर विहार ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

चिल्ला सांई मंदिर पर 16-5-19 को साईं भक्त हरी प्रसाद, सतीस और उनका पूरा परिवार 24/211 त्रिलोकपुरी, मयूर दिल्ली ने शाम सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

चिल्ला सांई मंदिर पर 22-5-19 को सांई भक्त श्रीराम 76 पॉकेट एफ, मयूर विहार फेस-1 ने ने अपने पुत्र विग्नेश के जन्मदिन के अवसर पर दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

चिल्ला सांई मंदिर पर 23-5-19 को सांई भक्त एच.पी. शर्मा सेक्टर-36 नोएडा अपने परिवार के साथ शाम सांई बाबा को आलू-पूरी-हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

चिल्ला सांई मंदिर पर 30-5-2019 को सांई भक्त गर्व खन्ना बी-205 वर्धमान अपार्टमेंट मयूर विहार फेस-1 ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी द्वारा कराई गयी गुरुवाणी कीर्तन प्रतियोगिता में दिल्ली एनसीआर में प्रथम पुरस्कार लेते हुए नवजोत सिंह साथ में चरणजीत सिंह और मयूर विहार फेस-1 गुरुद्वारा के प्रधान प्रेम सिंह जी।

30-5-2019 को सांई भक्त बी.के. जैन, शुक्ला जैन सी-507 आनंदलोक अपार्टमेंट ने दोपहर सांई बाबा को आलू-पूरी -हलवा का भोग लगाकर भक्तों को भोजन कराया।

गुरुअप्पा मंदिर मयूर विहार द्वारा हर वर्ष कलश यात्रा चिल्ला सांई मंदिर से निकाली जाती है, जिसमें हजारों भक्तों द्वारा सहयोग दिया जाता है।

दिल्ली लोकसभा चुनाव में सांई सेना (संस्था) पूर्वी दिल्ली से भाजपा के उम्मीदवार गौतम गंभीर के समर्थन में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्वी दिल्ली के कई हजार सांई सेना परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। इस जनसभा के मुख्य अतिथि राज्यवर्धन सिंह राठौर केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार थे। उन्होंने अपने भाषण में लोगों को बतलाया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में देश सुरक्षित है। और इस जनसभा की अध्यक्षता भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना एवं पूर्व निगम पार्षद मयूर विहार फेस-1 ने की। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री मोदी जी के राज में प्रगति कर रहा है। इसलिए सभी भारत देशवासियों को मोदी जी को जिताना चाहिए और भाजपा के सभी उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। इस मौपे पर सुनील यादव अध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा ने भी अपने विचार रखे। इस सभा में त्रिलोकपुरी विधानसभा और पटपड़गंज विधानसभा के सभी गणमान्य लोग मौजूद थे। रामचरण गुजराती, राजेश पारचा, प्रेम गुप्ता, दीपक बंसल तथा संस्था के के.के. कॉल, आदित्य सक्सेना, श्रीमती वीना रघुवंशी, सुनीता सिंह, मुकेश ठाकुर, मनीराम, राजेश, रिक्की दुबे, राकेश, सुन्दर, चौ. चंद्रपाल, सुभाष आदि लोग मौजूद थे।

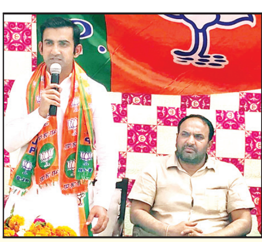

गांव चिल्ला सरौदा मेन बस स्टैण्ड पर जनसभा को संबोधित करते हुए गौतम गंभीर भाजपा उम्मीदवार लोकसभा क्षेत्र पूर्वी दिल्ली और भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष साई सेना एवं पूर्व निगम पार्षद मयूर विहार फेस-1 और ग्रामवासी चौ. सुंदर , सुभाष, रवि, संजय, रोहित, प्रेम गुप्ता, हितेन्द्र डेढ़ा, राजकुमार, संजय, राजेन्द्र, अजब सिंह लम्बरदार, देवेन्द्र, अशोक विनोद, बलराज, धर्मेन्द्र प्रधान, बल्ले, चौ. आकाश आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

मनोज तिवारी ने रोड शो निकालकर मतदाताओं का किया आभार

■ सुनीता चौधरी/दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के नवनिर्वाचित सांसद मनोज तिवारी ने अपने संसदीय क्षेत्र में रोड शो निकालकर क्षेत्र के मतदाताओं का आभार जताया। रोड शो की शुरुआत गांवड़ी स्थित पांचवां पुस्ता मदर डेरी से हुई और अरविंद नगर, घोडा, ब्रह्मपुरी, सीलमपुर, चौहान बांगर, मौजपुर बाबरपुर, रोहतास नगर, दुर्गापुरी, रामनगर, अशोक नगर होते हुए गुरु तेग बहादुर अस्पताल के पास समापन हुआ। समापन के मौके पर तिवारी ने कहा कि हम राष्ट्रवाद और विकास जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव में उतरे थे जबकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित कई पार्टियों का महागठबंधन का लक्ष्य सिर्फ नरेंद्र मोदी को हटाना था। तिवारी ने कहा कि दिल्ली की सातों सीटों पर ऐतिहासिक विजय दिलाकर दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर जो अटूट विश्वास व्यक्त किया है, समूची पार्टी व उसके लाखों कार्यकर्ता जनता के ऋणी हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजय महावर, कैलाश जैन, महामंत्री कर्मवीर चंदेल, मास्टर विनोद, चौधरी भंवर सिंह, संजय त्यागी, भाजपा नेता आनंद त्रिवेदी सहित पार्टी के सभी निगम पार्षद, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिलाओं के लिए चुनौती है घर-बाहर की जिम्मेदारी

■ दृष्टि गुप्ता/नोएडा

मीडिया क्लब में कामकाजी महिलाओं के लिए घर और बाहर की जिम्मेदारी के तालमेल पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की मुख्यवक्ता और उप्र महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने कहा कि हर महिला की चुनौतियां और सामाजिक स्थिति लगभग एक जैसी है। चुनौती यह है कि उसे घर-बाहर की जिम्मेदारियों में तालमेल बनाकर ही जिन्दगी में आगे बढ़ना है। इसी चुनौती के बीच जो अपने जज्बे से जितने अच्छे अंक ले आए वो उतनी ही कामयाब हो जाती है। घर-बाहर के सब्जेक्ट में जिसमें भी अंक कम रहे वहीं रिजल्ट गड़बड़ा जाता है। हम महिलाओं को मानिसक रूप से इस बात के लिए तैयार होकर इसी चुनौती को स्वीकार कर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि रोज महिला प्रताड़ना से जुड़ी करीब 150-200 शिकायतें यूपी महिला आयोग में आती हैं। इनमें 95 फीसद मामले शहरी महिलाओं से जुड़े होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं महिला आयोग के बारे में जानती तक नहीं हैं। इसी के चलते यूपी महिला आयोग प्रयासरत है कि पंचायत स्तर पर हर गांव में ऐसी कमेटी बने जहां ग्रामीण महिलाओं से जुड़े मामले भी महिला आयोग में आएं और उनमें अपने हक व अस्तित्व की लड़ाई में आगे बढ़ने का मौका मिले। ग्रेनो वेस्ट से आईं नेहा मुखर्जी ने बताया उन्होंने अपनी जिंदगी के कड़वे अनुभवों को अपना हथियार बनाया। लंबे समय की चुप्पी के बाद ऐसे मसलों को उठाया जिन पर लोग समाज में बात नहीं करना चाहते। आज वह राइटर हैं। पॉलिथिन पर रोक से शहर में अपनी पहचान बना चुकी शैल माथुर ने कहा कि यदि आपको कोई काम करना है तो निडरता को हथियार बनाना होगा। लोग आप पर हंसेंगे, आपकी आलोचना करेंगे लेकिन आपको अपने निश्चय पर डटे रहना है। बिल्डर-बायर्स मुद्दे को उठाने वाली अमिता सक्सेना ने कहा कि घर को बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ पुरुषों की नहीं हैं। मैं ऐसा मानती हूं इसलिए अधिकांश बायर्स प्रदर्शन में शामिल होती हूं। राजकीय डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि नई जनरेशन में कैरियर में आगे बढ़ने का जज्बा तो है लेकिन जब परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कैरियर बनाने की बात होती है तो धैर्य इतना कम है कि तालमेल गड़बड़ा जाता है।

एनआईएफटी प्रवेश परीक्षा में सौम्या ने तीसरा स्थान हासिल किया

■ सांईसेना ब्यूरो

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) में दाखिले के लिए हुई प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया जिसमें सेक्टर-31 निवासी पीयूष और अंजली अग्रवाल की बेटी सौम्या अग्रवाल देश में जनरल कटेगरी में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वह 2018 में दिल्ली पब्लिक स्कूल आर.के. पुरम् से 94.8 प्रतिशत अंक हासिल कर 12वीं की परीक्षा पास की थी। फिर एमिटी में बीटेक कंप्यूटर साइंस में एडमीशन लिया परंतु उसकी रुचि हमेशा डिजाइन में ही लगा रहा। फिर उसने तैयारी कर 2019 में निफ्ट की परीक्षा दी जिसमें देश में तीसरा स्थान हासिल कर परिवार का नाम रोशन किया। सौम्या को उनके उज्जवल भविष्य की हार्दिक बधाई।

अब स्वायत्त कॉलेजों को भी डिग्री देने का अधिकार मिला

■ वीना सिंह/राजस्थान

जयपुर। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने प्रस्तावित एजुकेशन पॉलिसी के ड्राफ्ट में स्वायत्त कॉलेजों को खुद की डिग्री जारी करने का अधिकार दे दिया है। जयपुर, अलवर, बीकानेर सहित कई जिलों में इस केटेगरी में सरकारी/प्राइवेट कॉलेज संचालित है। उधर 2032 तक विश्वविद्यालयों से कोई भी संबंद्ध कॉलेज नहीं रहेगा। संबंद्ध कॉलेजों का विश्वविद्यालय में विलय होगा या इन कॉलेजों को खुद के स्तर पर स्वायत्ता के साथ इन्हें संचालन करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से शैक्षणिक गुणवत्ता में कमजोर स्तर के कॉलेज अब नहीं दिखेंगे। क्वालिटी एजुकेशन में निखार आएगा। उधर शिक्षण संस्थानों में पांच साल तक के प्रोबेशन पीरियड के साथ स्थायी फैकल्टी रखनी होगी। इस निर्णय से भी स्थायी रोजगार विकसित होगा। फिलहाल विश्वविद्यालयों को डिग्री देने का अधिकार है लेकिन स्वायत्त कॉलेज भी डिग्री दे सकेंगे। शिक्षा और अनुसंधान के सभी संस्थानों, सार्वजनिक और साथ ही निजी को भी अपने स्वयं के नामों से डिग्री देने की अनुमति रहेगी। उनके नाम में विश्वविद्यालय हो या न हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उार विश्वविद्यालयों को ऐसे डिग्री देने वाले कॉलेजों से अलग किया जाएगा। विश्वविद्यालयों को अपना आकार रिसर्च के कामों में बढ़ाना होगा। विश्वविद्यालयों से संबंद्ध कॉलेज नहीं होंगे। सभी संबंद्ध कॉलेजों को 2032 तक स्वायत्त डिग्री देने वाले कॉलेजों में विकसित होने चाहिए या पूरी तरह वि ।विद्यालय में विलय हो सकते है। जिससे वे संबद्ध है या स्वयं विश्वविद्यालय में परिवर्तित हो सकते है।

बिजली कटौती से लोग हलकान

■ संदीप सिंह/गाजियाबाद

महानगर के कई क्षेत्रों में रात को घंटों बिजली कटौती रहने के कारण रातभर लोग सो नहीं सके। लोगों ने रात छतों व खुले आसमान के नीचे काटनी पड़ी। गोविंदपुरम के कई इलाकों मिसलगढी, सदरपुर, गोविंदपुरम समेत अन्य जगहों पर रात को करीब साढे ग्यारह बजे बिजली चली गई। इसके बाद करीब दो घंटे में बिजली आपूर्ति हुई। इसके बाद रात्रि में दूसरी बार भी कटौती की गई। बिजली नहीं होने से पड़ रही भिषण गर्मी में लोग

पसीने पसीने हो गए। गर्मी से उबल रहे घरों को छोड़कर लोग छतों व खुले आसमान के नीचे दिखाई दिए। यही हाल डिवीजन पांच के राहुल विहार व आसपास के इलाके का रहा। यहां से भी लोगों की शिकायत है कि बिजली को कई घटे तक बिजली काटी गई। वहीं बिजली अधिकारियों का कहना है कि बढ़ती गर्मी के चलते बिजली की मांग अधिक हो गई है। ऐसी व कूलर समेत फ्रीज और अन्य बिजली से चलने वाले उपकरण गर्मी में चलाए जाते हैं। बढते तापमान के चलते सौ मेघावाट बिजली की मांग बढ़ गई है। सामान्य दिनों में जहां 1400 से 1500 मेगावाट बिजली की मांग रहती है। वह अब बढ़कर 1700 मेघावाट तक पहुंच गई है।

दूसरों को संदेश देने से पहले खुद साइकिल चलाते दिखे सीएम खट्टर

■ विक्रम अरोडा/हरियाणा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की एक खास अदा है कि वह दूसरों को कोई भी संदेश देने से पहले खुद उस पर अमल करके दिखलाते हैं। सोमवार 3 जून को विश्व साइकिल दिवस पर आम लोगों को साइकिल के प्रयोग का संदेश देने के लिए मुख्यमंत्री ने अपने उसी शगल का मुजाहिरा किया और सीएम आवास से साइकिल चलाकर हरियाणा सिविल सचिवालय की चौथी मंजिल स्थित अपने कार्यालय पहुंचे। खट्टर ने आम जन को पर्यावरण तथा स्वास्थ्य लाभ का हवाला देते हुए साइकिल को अपनी दिनचर्या में शामिल करने को कहा। इस दौरान उनके स्टाफ के करीबी सहयोगी भी साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने वि । साइकिल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यदि समाज के हर वर्ग के लोग अपनी दिनचर्या में साइकिल का प्रयोग करेंगे तो इससे उनका स्वास्थ्य भी अच्छा होगा और यातायात की भीड़ को कम करने के अलावा पेट्रोल-डीजल के धुएं से बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने फरीदाबाद, करनाल और गुरुग्राम में साइकिल ट्रैक बनाने की मंजूरी दे दी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग अपनी दिनचर्या में साइकिल को शामिल करें। इसके अलावा, भविष्य में पंचकूला, हिसार, रोहतक में भी साइकिल ट्रैक बनाने की योजना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ एचएलआरडीसी के चेयरमैन अजय गौड़, उनके एडीसी आलोक वर्मा, आईटी कंसल्टेंट ध्रुव मजूमदार के अलावा मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने भी साइकिल चलाई।

संविदा पर भर्ती होंगे 2000 फार्मासिस्ट

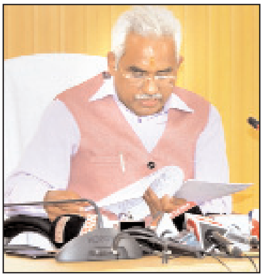

■ जयकृत बिष्ट/उत्तराखंड

देहरादून। प्रदेश सरकार लगभग 2000 संविदा फार्मासिस्टों की भर्ती नए सिरे से करेगी। 2016 संविदा फार्मासिस्टों के वेलनेस सेंटर से संबंधित 600 पदों की भर्ती के स्थान पर अब 1800 से 2000 पदों पर नये सिरे से भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी। यह प्रक्रिया इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड के अनुसार होगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 15 बिंदुओं पर फैसले लिए गए। बैठक के बाद शासकीय प्रवक्ता मदन कौशिक ने कैबिनेट बैठक के महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी दी। मदन कौशिक ने बताया कि नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) के अन्तर्गत नियोक्ता की योगदान राशि को केंद्र सरकार की तर्ज पर 10 प्रतिशत से बढ़ा कर 14 प्रतिशत कर दिया गया है। इस फैसले से वर्ष 2005 के बाद के करीब 46 हजार कर्मचारियों को लाभ होगा। प्रदेश सरकार पर इससे करीब 150 करोड़ रुपये सालाना व्ययभार बढ़ेगा। कैबिनेट ने आरएस टोलिया प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल के ढांचे में स्थित संयुक्त निदेशक लोक प्रशासन के पद को उप निदेशक निसंवर्गीय अभियांत्रिकी में बदलने का फैसला भी किया है। श्री कौशिक ने बताया कि नगर निगम के अधीन वित्तीय अधिकार सचिव की अयक्षता के स्थान में जनपद में नगर आयुक्त के अधीन कमेटी को दिया गया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

■ सांई सेना ब्यूरो

शिमला। ऐतिहासिक रिज मैदान में सोमवार को एक साथ 650 महिलाएं हिमाचल के पारम्परिक नृत्य नार्टी में नाची। अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव के प्रथम दिन महानाटी प्रस्तुत कर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। इस महानाटी में शिमला जिला के सभी विकास खंडों की लगभग 650 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिला में अपनी तरह के इस प्रथम प्रयास में महानाटी के माध्यम से लोगों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ-साथ, राष्ट्रीय पोषण अभियान, स्वच्छता अभियान एवं समेकित

बाल विकास परियोजना की जानकारी दी गई। महानाटी के माध्यम से लोगों को बताया गया कि स्वस्थ समाज के लिए महिलाओं का स्वस्थ होना आवश्यक है। महानाटी में शिमला जिला के विभिन्न क्षेत्रों की नाटियों को इन महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। महानाटी के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि लोक संस्कृति के संवर्द्धन व संरक्षण में नाटी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महानाटी के माध्यम से नृत्य की एकरूपता और भव्यता अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव के आयोजन में एक आकर्षण के रूप में उभरी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग निशा सिंह ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा कन्याओं के लिए अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम एवं योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है कि प्रदेश की सभी कन्याओं तक लक्षित योजनाओं के लाभ पहुंचे।

ट्रैफिक नियम तोड़ा तो लगेगा दोगुना जुर्माना

■ राजेश कुमार/उत्तर प्रदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां लोकभवन में हुई कैबिनेट की बैठक में आठ प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी,जबकि माध्यमिक शिक्षा विभाग के एक प्रस्ताव पर सहमति न बनने के कारण पारित नहीं हो पाया। कैबिनेट ने मोटरयान नियमावली 1988 के कई नियमों में संशोधन को मंजूरी दी है। इसके बाद अब वाहनों के नम्बरों की पोर्टिबिलिटी हो सकेगी। साथ ही वाहनों के मनमाफिक नम्बरों के लिए दोपहिया व चौपहिया वाहनों को अलग श्रेणी में कर उसकी धनराशि को मंजूरी मिल गयी है। मोटरयान नियमावली के ही एक अन्य फैसले में ट्रैफिक नियमों के तोड़ने पर लगने वाले जुर्माना को 500 से लेकर 1000 रुपये करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि अब वाहन चेकिंग के दौरान लाइसेंस न दिखा पाने, वाहन चलाते वक्त इयरपीस लगाकर गाने सुनने और बिना हेलमेट लगाए गाड़ी चलाने पर दो गुना जुर्माना देना होगा। उन्होंने बताया कि पहले जहां इन अपराधों के लिए 500 रुपए जुर्माना देना होता था, उसे अब बढ़ाकर 1000 रुपए किया जाएगा। इसके अलावा बिना नम्बर प्लेट लगी गाड़ी चलाने पर पहले जो जुर्माना 300 रुपए का था, वह अब 500 रुपए होगा। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए इस निर्णय से यातायात नियमों के बार-बार उल्लंघन की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। शर्मा ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने वाहन स्वामियों को नम्बर पोर्टबिलिटी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मोटरयान नियमावली-1988 के नियम-51(2) एवं 51क(2) में संशोधन का निर्णय लिया है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के वाहन स्वामियों द्वारा विभिन्न श्रेणियों के वाहनों में उनके पुराने वाहन के पंजीयन नम्बर को नए वाहन पर आवंटित करने की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

अगले वर्ष सभी घरों में लगेंगे प्रीपेड मीटर

■ अतुलेश वर्मा/बिहार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 अगस्त 2020 के पहले राज्य के हर घर में प्रीपेड विद्युत मीटर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ऊर्जा विभाग की 692.74 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं कार्यारम्भ करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त 2020 के पहले पूरे प्रदेश में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक शिकायतें बिजली बिल को लेकर आती हैं। प्रीपेड मीटर से न सिर्फ बिजली की फिजूलखर्ची पर रोक लगेगी, बल्कि लोगों की शिकायतें भी दूर होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर इच्छुक परिवार तक बिजली पहुंचाने के बाद अब सरकार ने वर्ष के अंत तक हर इच्छुक किसानों को कृषि फीडर के माध्यम से बिजली का कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं, इस वर्ष 31 दिसम्बर तक पूरे बिहार के जर्जर बिजली के तारों को भी बदलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दिशा में तेजी से काम आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि फीडर के माध्यम से अब किसानों के खेतों तक बिजली पहुंचाई जा रही है, जिससे पटवन पर आने वाले खर्च में काफी कमी आएगी। अभी डीजल से फसल की सिंचाई करने पर जहां 100 रुपये की लागत आ रही है, वहीं बिजली से पटवन करने में मात्र पांच रुपये की लागत आएगी। किसानों को इससे अच्छी मदद और क्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जितने कृषि फीडर की जरूरत होगी, उसे बनाइए, इसके लिए लिए इन्तजार करने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय योजना के तहत अगले साल के मार्च या अप्रैल महीने तक हर घर नल का जल और इस साल बापू जयंती तक हर घर शौचालय निर्माण का काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रजनन दर को घटाने के लिए बिहार की हर पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा, बिहार में पर्याप्त बिजली की उपलब्धता कराने के बाद हमारा अगला लक्ष्य सौर ऊर्जा की दिशा में काम करने का है क्योंकि अभी जिस सोलर एनर्जी को लोग नकली बिजली कहते हैं, वास्तव में वही अक्षय ऊर्जा है। इसकी शुरुआत हम सरकारी कार्यालयों एवं संस्थाओं से ही करेंगे।' मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली की बेहतर उपलब्धता हो इसके लिए राज्य सरकार दो प्रकार का अनुदान देती है। बिजली के रेट पर करीब पांच हजार करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाता है। इसके अलावा सिस्टम में जो कमी है उसे दूर करने के लिए भी राज्य सरकार डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनियों (बिजली विभाग) को अनुदान मुहैया कराती है। प्रीपेड मीटर लगने के बाद एक सब्सिडी से मुक्ति मिलेगी। डीजल सिंचाई पर भी राज्य सरकार किसानों को अनुदान उपलब्ध करा रही है। सीएम ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रख कर राज्य सरकार ने प्राथमिकता के तौर पर काम किया है, जिसका नतीजा है कि जिस राज्य का वर्ष 2005-06 में बजट 30 हजार करोड़ रुपये का हुआ करता था, वह अब बढ़कर दो लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

दृष्टि नहीं पर कक्षा में जो सुना, वह हो गया याद, प्रदेश में पहला स्थान

■ सांई सेना ब्यूरो

पुनासा (खंडवा)। ईश्वर किसी से कुछ छीनता है तो उसे तोहफा भी जरूर देता है। ऐसे ही उदाहरण है पुनासा के उत्कृष्ट विद्यालय अर्जुन गुर्जर, जिनकी दृष्टि नहीं है फिर भी उन्होंने स्मरण शक्ति के बल पर 10वीं की प्रदेश प्रावीण्य सूची में दृष्टिहीन वर्ग में पहला स्थान बनाया। रीछी निवासी अरुण बलराम गुर्जर ने 89.4 प्रतिशत अंक हासिल किये। उन्होंने कहा मैं एक बार जो दसुन लेता हूं वह हमेशा के लिए याद हो जाता है। इसी खूबी के कारण मुझे बचपन से ही शिक्षकों का साथ मिला। कक्षा में मुझे सबसे आगे बैठाया जाता था ताकि मैं शिक्षकों की बातें ध्यान से सुन सकूं। दिव्यांग वर्ग में प्रदेश में मुझे पहला स्थान मिलने की बस इतनी ही कहानी है। इस उपलब्धि से मैं खुश हूं। वे बताते हैं इस सफलता के असली हकदार शिक्षक हैं। अगर मैं कोई बात सुनने से चूक जाता तो शिक्षक दोबारा बताते व समझाते थे। दूसरा श्रेय मुझे प्रतिदिन स्कूल तक साथ ले जाने और लाने वाले सहपाठियों का है, जिन्होंने कभी भी मेरा साथ नहीं छोड़ा। मेरा अगला लक्ष्य आर्ट्स विषय की पढ़ाई कर शासकीय सेवा में शामिल होना है। अब मैं ब्रेल लिपि सीखना चाहता हूं। अरुण के माता-पिता खेतों में मजदूरी करते हैं।

स्वराज्यवीर छत्रपति संभाजी महाराज का जन्मोत्सव : राष्ट्रीय राजधानी में युवाजोश के साथ मनाया गया

■ **कमलेश पाटील, राष्ट्रीय सचिव, मराठा सेवा संघ**

दिनांक 14-5-2019, समय शाम 6.40 बजे रोझ गार्डन आईआईटी दिल्ली के सामने भारतीय स्वराज्य आंदोलन की प्रखर महाज्वाला छत्रपति संभाजी महाराज के जन्मोतसव में पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, बिहार, महाराष्ट्रा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान से आये हुये आईआईटीयंस के वरिष्ठ विद्यार्थी वर्ग, गेट परिक्षाथियों ने सिरकत की। भारतीयों को गुलामी से मुक्त करने के राष्ट्रीय स्वराज्य स्वतंत्रता आंदोलन में छत्रपती शिवाजी महाराज व छत्रपती संभाजी महाराज के नेतृत्व में मराठा सेनानियों के अमोघ एवं अतुलनीय पराक्रम की यशोगाथा सुनने के साथ राष्ट्रमाता जिजाऊ एवं स्वराज्यसंकल्पक शहाजी महाराज के सपनों का स्वराज्य तथा सामाजिक क्रांति का अभियान से उपस्थित सुजनवर्ग परिचित हुये। छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य अभियान में सामाजिक जात-बिरादरी जोड़ने के साथ सामाजिक एकता बनाने का काम भी किया और इस एकता से नवसमाज निर्माण हुआ, जिसे 'मावला' पहचान दी, इस पहचान को स्वराज्यवीर छत्रपति संभाजी महाराज ने देश-विस्तार दिया।कार्यक्रम को मराठा सेवा संघ के राष्ट्रीय सचिव कमलेश पाटील ने संबोधित किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में युवावर्ग उपस्थित रहे तथा पार्क में सैर करने आये श्रोता वर्ग ने भी छत्रपती संभाजी महाराज को मानवंदना दी।

नहीं थम रहा सियासी तूफान

■ **के.के. कॉल/जम्मू-कश्मीर**

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने परिसीमन आयोग के गठन पर विराम लगाते हुए साफ कर दिया है कि इस बारे में अभी कोई चर्चा नहीं हुई है, लेकिन रियासत के सियासत में इसे लेकर उठा तूफान शांत नहीं हो रहा है। कश्मीर विशेषज्ञों के अनुसार, परिसीमन आयोग का गठन केंद्र सरकार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि अलगाववादी तत्व इसे कश्मीर बनाम जम्मू और कश्मीरी बनाम दिल्ली की जंग बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर के हालात पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह सचिव समेत गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इसमें केंद्रीय खुफिया एजेंसी के आलाधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में राज्यपाल सत्यपाल मलिक की केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य के हालात पर सौंपी गई रिपोर्ट पर विचार विमर्श हुआ था। बैठक के दौरान संकेत मिला था कि केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर में परिसीमन आयोग का गठन और राजनीतिक नक्शा बदलने के मूड में है। जम्मू संभाग में सीटों की संख्या बढ़ाने के साथ ही अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की बैठक के बाद परिसीमन की उड़ी खबरों से जम्मू कश्मीर में सियासी हलचल शुरू हो गई थी। कश्मीर केंद्रित सियासी दलों नेशनल कांफ्रेंस व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने जनांदोलन छेड़ने की चेतावनी दे डाली थी।

महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक-गुजरात और राजस्थान तक कांग्रेस में बगावत

■ **डॉ. एकनाथ भागचंद गोंदकर/महाराष्ट्र**

लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद कई राज्यों में कांग्रेस के अंदर बगावत के सुर फूट रहे हैं। अभी तक कई विधायकों और नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दिया है। हालात यह हैं कि मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों के बीच भी पटरी नहीं खा रही है। राजस्थान में जहां सीएम अशोक गहलोत ने अपने बेटे वैभव गहलोत के सिर पर हार का ठीकरा फोड़ा है तो मध्य प्रदेश में गुना सीट से हार का स्वाद चख चुके ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री ठीक से प्रदर्शन नहीं कर पाए। उनका निशाना जाहिर तौर पर सीएम कमलनाथ की ओर था जो अपने बेटे नकुलनाथ को छिंदवाड़ा से जिताने में लगे रहे। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में भी सालों से मुख्यमंत्री पद का सपना देख रहे कई वरिष्ठ नेता पार्टी के प्रदर्शन पर चुप्पी साधे हुए हैं। बात करें महाराष्ट्र की तो यहां पर पार्टी के वरिष्ठ नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से नाराज होकर विधायक के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि अपने बेटे तक के लिए भी प्रचार नहीं किया है। उन्हें पार्टी आलाकमान से कोई शिकायत नहीं है, जिसने मुझे विपक्ष का नेता बनने का मौका दिया है।

अपने सांसदों के साथ रामलला का दर्शन करने अयोध्या जाएंगे उद्धव

■ विशाल खेड़ा/ मुंबई

संसद का सत्र शुरू होने से पहले शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी के सभी 18 सांसदों के साथ रामलला का दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संसद का सत्र 17 जून से शुरू होगा। ठाकरे पिछले साल नवंबर में अयोध्या गए थे। तब उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले जन्मस्थान पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। उस समय भाजपा और शिवसेना के संबंध भी तल्ख थे। शिवसेना हमेशा कहती रही है कि राम मंदिर उसके लिए एक अहम मुद्दा है। शिवसेना के मीडिया प्रभारी और ठाकरे के करीबी हर्शल प्रधान ने कहा, यह सच है कि ठाकरे ने अयोध्या जाने का फैसला किया है। 17 जून से शुरू हो रहे संसद सत्र से पहले वहां जाने की योजना है। उन्होंने कहा, इस बारे में जल्द ही घोषणा की जाएगी और उद्धवजी यात्रा और पार्टी के पक्ष को लेकर विस्तार से बताएंगे।

किसानों को दस घंटे से ज्यादा बिजली देने की तैयारी

■ आदित्य सक्सेना/मध्य प्रदेश

भोपाल। कर्जमाफी के बाद सरकार किसानों के लिए एक और बड़ा कदम उठाने की तैयारी में जुट गई है। ऊर्जा विभाग किसानों को जल्द ही दस घंटे से अधिक बिजली देने की योजना लागू कर सकता है। इसके लिए ऊर्जा विभाग फार्मूला तैयार करने में जुट गया है। इसमें किसान को अलग से तय दरों का भुगतान करके अधिक बिजली का उपयोग करने की पात्रता मिलेगी। निर्धारित समय से अधिक बिजली का उपयोग करने की दर का निर्धारण लागत, वितरण सहित अन्य खर्च के हिसाब से होगा। उच्च स्तर से संकेत मिलने के बाद बिजली कंपनियों ने इसका गुणा-भाग लगाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ने से कृषि उत्पादन बढ़ गया है। इस कारण किसानों की

आर्थिक स्थिति में भी पहले से सुधार हुआ है। किसान बहुफसल लेने लगा है। कई किसान फल, फूल और सब्जी की खेती के क्षेत्र में बढ़े हैं। इसका फायदा भी हो रहा है। इसके और विस्तार की संभावना है पर बिजली की कमी इसमें बड़ा रोड़ा है।

मोदी सरकार आने से तिब्बत के भी आजाद होने की उम्मीद बढ़ी

■ भावना एम. ब्रह्मभट्ट/गुजरात

अहमदाबाद। लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी की शानदार जीत के बाद अब तिब्बत, भारत की ओर आस भरी निगाहों से देख रहा है। भारत में बसे करीब चार लाख तिब्बती शरणार्थियों को आजाद तिब्बत का सपना साकार होने की उम्मीद सी जग गई है। करीब 6 दशक से चल रहे तिब्बत की आजादी के आंदोलन को भारत में मजबूत सरकार बनने से काफी उम्मीद जगी है। तिब्बत की आज़ादी, भारत की सुरक्षा कार्यक्रम से जुड़ी संस्थाएं इसको लेकर सक्रिय हो गई हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से संबद्ध संगठन भारत तिब्बत मैत्री संघ आईटीएमएस ने अहमदाबाद में एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में भारत और तिब्बत के संबंधों तथा उसकी आजादी में बाधक चीन जैसे विषयों पर चर्चा की। सहयोग मंच के राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल और मैत्री संघ के गुजरात प्रभारी डॉक्टर अमित ज्योतिकर के मुताबिक करीब छह दशक से चल रहे तिब्बत की आजादी के आंदोलन को भारत में मजबूत सरकार बनने से काफी उम्मीद जगी है। डॉ. भीमराव अंबेडकर बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया ने भी तिब्बत की आजादी का समर्थन किया है। उनका मानना है कि अमरीका, जर्मनी, कोरिया सहित कई यूरोपिय देश तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को अपनी संसद में बुला चुके हैं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं किया गया। मैत्री संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पीजी ज्योतिकर के मुताबिक तो उन्होंने यूपीए सरकार को भी कई पत्र भी लिखे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। भारत और चीन के बीच बफर स्टेट के रूप में तिब्बत का सामरिक रूप से काफी महत्व है।

International Yoga

Yoga is a physical, mental and spiritual practice that evolved over thousands of years to embrace a wide range of styles and disciplines, aims to transform human body and mind. It is a science that is designed to cultivate health and happiness, a greater sense of awareness and higher consciousness. So, Yoga is an ascetic discipline which is practiced for good health and relaxation.

Some people think Yoga is only a physical exercise. No, it's not true. Yoga is a science, it is a systematic process which gradually dissolve all the illusions of mind so that the mind becomes a dynamic center of direct perceptions. Through this practice one can understand and experience the supreme Truth that God is within us. So we shall have to offer something spiritual to our mind and soul and if we stop giving, it will revolt. This ancient spiritual science offers a calmer, happier and more fulfilled life for a person.

It is said in the Bible; "Be still and know that I am God." In these few words lies the key to science of Yoga. Yoga offers many different practices that lead towards this goal; Hatha Yoga: A system of different physical exercises, whose higher purpose is to purify the body as they believe that our soul is a part of Almighty God .

So the body should be treated as a temple, where the God live. Karma Yoga: Path of blissful actions without any desire of the results. Perform all actions with the honesty and sincerity. This path brings the awareness that "God is the Doer of everything" and we all are moving in this cosmos, with our certain goals. So welcome whatever comes and let go whatever goes without any attachments.

Centering the consciousness through the chanting of certain sounds, representing a particular aspect of spirit. Bhakti Yoga: Path of devotional bliss through which we understand and experience the truth that we all are equal and a part of God. So love the divinity in everyone and everything.

مودی جیت گئے دیش ہار گیا

م۔ افضل

آخرش وہی نتیجہ سامنے آیا جو شاید پہلے سے طے تھا۔ 23 مئی کو زیادہ کچھ نہیں ہوا بس اس کا اعلان کر دیا گیا۔ ہو سکتا ہے، بہت سے سیاسی تجزیہ کار میری اس بات سے اتفاق نہ کریں لیکن تلخ سچائی یہی ہے۔ اب اس کامیابی کو جمہوریت کی کامیابی کا نام دیا جا رہا ہے، کہا جا رہا ہے کہ لوگوں کو اندازہ لگانے میں غلط فہمی ہوئی، راہل اور پرینکا کے آگے پیچھے جو بھیڑ نظر آ رہی تھی، وہ ایک دھوکہ اور سراب تھا۔ ورنہ ابتدا ہی سے عوام میں مودی کے حق میں ایک زیریں لہر موجزن تھی جس کا احساس عام لوگ نہیں کر سکے، البتہ میڈیا کو اس کا احساس ہو گیا تھا جس کا اظہار اس نے ایگزٹ پول کی صورت میں کر دیا تھا۔ پورے الیکشن کی سرگرمیوں کا آپ باریک بینی سے تجزیہ کریں اور خود فیصلہ کریں کہ اب جو کچھ تاویل کے طور پر کہا جا رہا ہے کیا صحیح ہے؟ راہل گاندھی، پرینکا گاندھی، اکھلیش یادو اور تیجسوی یادو وغیرہ کی عوامی ریلیوں کو دیکھیں اور مودی جی و امت شاہ کی ریلیوں سے اس کا موازنہ کریں۔ ان تمام لوگوں کی ریلیوں میں جہاں بنا بلائے لوگ اکٹھا ہو رہے تھے وہیں مودی جی اور امت شاہ کی ریلیوں کے لئے بھاڑے کی بھیڑ جمع کی جاتی رہی۔ اس کے ثبوت میں ایسے کئی ویڈیو سوشل میڈیا پر اب بھی پڑے ہوں گے، انہیں دیکھا جا سکتا ہے مگر اب 350 کے آس پاس سیٹوں پر بی جے پی کی کامیابی کے بعد پوری طاقت سے کہا جا رہا ہے کہ الیکشن کے دوران مودی کے حق میں ایک نادیدہ لہر چل رہی تھی، اس لئے لوگ ہوا کے رخ کا اندازہ نہیں کر سکے۔ سوال یہ ہے کہ اگر مودی کے حق میں کوئی نادیدہ لہر تھی تو وہ انتخابی مہم کے دوران نظر کیوں نہیں آئی؟ مودی جی اور امت شاہ کو اپنی ریلیوں کے لئے کرایہ کی بھیڑ کا انتظام کیوں کرنا پڑا؟ 23 مئی کو جو نتیجہ آیا، اصولی طور پر اسے تمام سیاسی پارٹیوں نے قبول کر لیا اور مودی جی کو جیت کی مبارکباد بھی پیش کر دی لیکن اس کا مطلب یہ نہیں کہ نتائج اور ای وی ایم کو لے کر جو شکوک و شبہات لوگوں کے ذہنوں میں موجود ہیں وہ دور ہو گئے۔ الیکشن کمیشن کا کردار بدستور شک کے دائرہ میں ہے۔ اس کا رول غیر جانبدارانہ نہیں تھا۔ ووٹنگ کے بعد پورے ملک میں ای وی ایم مشینوں کی لوٹ اور دھاندلی کی خبریں عام ہوئیں، ای وی ایم سے بھری پرائیویٹ گاڑیاں پکڑی گئیں۔ اسٹرانگ روم سے ای وی ایم مشین نکال کر باہر لے جاتے ہوئے لوگ پکڑے گئے مگر الیکشن کمیشن خاموش رہا، آخری دنوں میں یہ صفائی اس نے ضرور پیش کی کہ تمام ای وی ایم مشین محفوظ ہیں۔ 20 لاکھ ای وی ایم مشینوں کے غائب ہونے کے معاملے پر بھی اس نے کوئی صفائی نہیں دی، قابل غور ہے کہ ایک آر ٹی آئی کے جواب میں الیکشن کمیشن نے اعتراف کیا ہے کہ 20 لاکھ ای وی ایم مشینیں غائب ہیں۔ اس کا انکشاف انگریزی رسالہ 'فرنٹ لائن' نے کیا تھا۔ سوال یہ ہے کہ اگر یہ بات درست ہے تو اتنی بڑی تعداد میں مشینیں کس نے غائب کیں اور اگر غائب ہوئیں تو اس کے بارے میں الیکشن کمیشن نے کوئی قانونی کارروائی کیوں نہیں کی؟ جہاں تک ای وی ایم میں چھیڑ چھاڑ اور دھاندلی کا تعلق ہے، اس پر بہت کچھ کہا جا چکا ہے۔ ماہرین بھی اس پر اپنی رائے دے چکے ہیں۔ دلچسپ بات یہ ہے کہ 2009 میں ہار کے بعد سب سے پہلے بی جے پی نے ای وی ایم کی معتبریت پر سوال اٹھایا تھا۔ جی وی ایل نرسمہا راؤ نے اس کو لے کر باقاعدہ طور پر ایک کتاب لکھی تھی جس کا پیش لفظ ایل کے اڈوانی نے تحریر کیا تھا۔ سبرامنیم سوامی اس معاملے کو لے کر عدالت گئے تھے۔ انہوں نے ان مشینوں کے تعلق سے جن خدشات کا اظہار کیا تھا، سپریم کورٹ نے بڑی حد تک اسے درست مانا تھا اور اپنے 2013 کے فیصلہ میں اس نے الیکشن کمیشن کو ہدایت کی تھی کہ تمام ای وی ایم مشینوں کے لئے وی وی پیٹ کا انتظام کیا جائے۔ یہ لڑائی آگے بڑھتی اس سے پہلے سبرامنیم سوامی کو 2014 میں راجیہ سبھا دے دی گئی اور جی وی ایل نرسمہا راؤ بی جے پی کے ترجمان بن گئے۔ تاہم اس لڑائی کو بعد میں کچھ دوسروں نے لڑا۔ اگرچہ 50 فیصد وی وی پیٹ پرچیوں کے ملان کا مطالبہ عدالت سے کیا جا رہا تھا مگر اس نے ہر اسمبلی حلقے کے ایک مرکز کی پرچیوں کے ملان کی ہدایت کی تھی۔ 22 مئی کو اپوزیشن پارٹیوں کے لیڈران نے آخری کوشش کے طور پر الیکشن کمشنر سے ملاقات کی اور ایک بار پھر 50 فیصد پرچیوں کے ملان کا مطالبہ کیا جسے مسترد کر دیا گیا۔ اس پر ان لوگوں نے دوسرا مطالبہ کیا کہ کاؤنٹنگ سے قبل سپریم کورٹ کی ہدایت کے مطابق ہر اسمبلی حلقہ کے ایک مرکز کی پرچیوں کا ملان پہلے کر لیا جائے مگر اس مطالبہ کو بھی نظر انداز کر دیا گیا اور دوسرے دن یعنی 23 مئی کو کاؤنٹنگ شروع ہو گئی۔ 24 مئی کے انگریزی رزنامہ 'انڈین ایکسپریس' میں چھپی ایک رپورٹ میں کہا گیا ہے کہ کمیشن نے عدالت کی ہدایت کی روشنی میں وی وی پیٹ پرچیوں کی ملان کا عمل بھی مکمل کر لیا۔ سب کچھ درست پایا گیا البتہ آندھرا میں ایک مرکز کی پرچیوں میں کچھ گڑبڑی ضرور پائی گئی جس کو کمیشن کے حکام نے انسانی غلطی سے تعبیر کرتے ہوئے اپنی فرض شناسی کی مہر لگا دی اور کاغذی کارروائی مکمل کر لی۔ سوال یہ ہے کہ پرچیوں کا ملان گپ چپ طریقے سے کیوں کیا گیا؟ اور ملان کے وقت کیا دوسری پارٹیوں کے امیدواروں کے نمائندے وہاں موجود تھے؟ سچ یہ ہے کہ اس طرح کے معاملے 'میڈیا' نہیں اٹھاتا۔ صحافت کو جمہوریت کا چوتھا ستون کہا گیا ہے اور اگر ستون ہی کمزور ہو تو پھر کسی عمارت کی مضبوطی کا دعویٰ کیوں کر کیا جا سکتا ہے۔ 'میڈیا' ایماندارانہ رپورٹنگ کی جگہ پروپیگنڈوں کو ہوا دینے کا ایک ذریعہ بن کر رہ گیا ہے۔ یہی وجہ ہے کہ الیکشن کا ایماندارانہ تجزیہ کرنے کی جگہ وہ اس کامیابی کو اپنے اول جلول دلائل سے حق بہ جانب ٹھہرانے کی دن رات کوشش میں مصروف ہے۔ یہ بھی کہا جا رہا ہے کہ مودی سرکار میں عوامی مفاد کی جو اسکیمیں چلائی گئیں ان کا لوگوں نے زبردست اثر قبول کیا اس لئے مودی کی قیادت پر اعتماد کرتے ہوئے انہوں نے آنکھ بند کر کے دوبارہ ان کے حق میں ووٹنگ کر دی۔ میڈیا یہ بتانے کی زحمت بالکل نہیں کر رہا کہ آخر وہ

> **پورے الیکشن کی سرگرمیوں کا آپ باریک بینی سے تجزیہ کریں اور خود فیصلہ کریں کہ اب جو کچھ تاویل کے طور پر کہا جا رہا ہے کیا صحیح ہے؟ راہل گاندھی، پرینکا گاندھی، اکھلیش یادو اور تیجسوی یادو وغیرہ کی عوامی ریلیوں کو دیکھیں اور مودی جی و امت شاہ کی ریلیوں سے اس کا موازنہ کریں۔ ان تمام لوگوں کی ریلیوں میں جہاں بنا بلائے لوگ اکٹھا ہو رہے تھے وہیں مودی جی اور امت شاہ کی ریلیوں کے لئے بھاڑے کی بھیڑ جمع کی جاتی رہی۔ اس کے ثبوت میں ایسے کئی ویڈیو سوشل میڈیا پر اب بھی پڑے ہوں گے، انہیں دیکھا جا سکتا ہے مگر اب 350 کے آس پاس سیٹوں پر بی جے پی کی کامیابی کے بعد پوری طاقت سے کہا جا رہا ہے کہ الیکشن کے دوران مودی کے حق میں ایک نادیدہ لہر چل رہی تھی، اس لئے لوگ ہوا کے رخ کا اندازہ نہیں کر سکے**

عوامی اسکیمیں ہیں کیا؟ اب کچھ لوگ راہل گاندھی کی صلاحیت پر سوال کھڑے کر رہے ہیں، جبکہ سچائی یہ ہے جو سب نے دیکھی بھی کہ انہوں نے اس الیکشن میں اپنی طرف سے کوئی کسر نہیں چھوڑی۔ مودی اور امت شاہ جیسے لوگوں کی اشتعال انگیزیوں اور فرقہ پرستی کی سیاست کے مقابلہ انہوں نے نظریاتی لڑائی لڑی اور مضبوطی سے لڑی اور یہ لڑائی بھی اشوز پر مبنی لڑائی تھی۔ انہوں نے عوام کے مسائل کی نشاندہی کی اور ان کے حل کا خاکہ بھی پیش کیا۔ اپنے انتخابی منشور میں انہوں نے جہاں جی ایس ٹی کو نرم کرنے اور 22 لاکھ نوکریاں دینے کا وعدہ کیا وہیں ملک سے غریبی کے خاتمہ کے لئے نیائے اسکیم کا اعلان بھی کیا۔ نیا کاروبار شروع کرنے کے لئے کسی بھی قانونی بندش سے آزادی کی بات بھی کہی۔ راہل گاندھی کا وژن بالکل واضح تھا، اس کے برعکس بی جے پی کے انتخابی منشور میں مستقبل کے لئے کوئی خاکہ موجود نہیں تھا۔ انتخابی مہم کے دوران راہل گاندھی کو عوامی سطح پر جو پذیرائی مل رہی تھی وہ اس بات کا اظہار تھا کہ لوگ ان کے وژن کو سمجھ رہے ہیں اب اگر اس کے بعد بھی ایسے نتائج آتے ہیں تو فطری طور پر شکوک پیدا ہوتے ہیں اور ان شکوک کو مسترد بھی نہیں کیا جا سکتا۔ کچھ لوگ تو جوش میں اسے راشٹرواد کی کامیابی قرار دے رہے ہیں۔ بین الاقوامی میڈیا نے بھی اسے راشٹرواد کی کامیابی سے تعبیر کیا ہے لیکن اس کے ساتھ ساتھ بعض نے خطرناک نوعیت کے خدشات کا بھی اظہار کیا ہے۔ امریکی اخبار واشنگٹن پوسٹ نے لکھا ہے کہ اب ہندوستان کو ایک جمہوری ملک کی جگہ ہندو راشٹر کے طور پر جانا جائے گا۔ مودی کی اس کامیابی سے ملک کا وہ طبقہ خاص طور پر بہت مایوس نظر آ رہا ہے جو سیکولرازم کا حامی ہے اور اپنے بچوں کے لئے ایک بہتر مستقبل کا خواہش مند ہے۔ بہت سے اندھ بھکت تو سوشل میڈیا پر یہ بھی لکھ رہے ہیں کہ اب کوئی طاقت

مودی کو ہرا نہیں سکتی۔ یہ وہ لوگ ہیں جن کو تاریخ سے کوئی علاقہ نہیں ہے۔ ایسے لوگ قدرت کے اس مسلمہ اصول کو بھی بھول جاتے ہیں کہ ہر عروج کو آخر زوال ہے۔ اگرچہ یہ کامیابی کئی طرح کے سوال کھڑی کرتی ہے لیکن یہ بھی سچ ہے کہ (چاہے جس طرح جیتا) بی جے پی کے حصے میں 352 نشستیں آ چکی ہیں۔ لیکن اسے تاریخی کامیابی ہرگز نہیں کہا جا سکتا۔ آزادی کے بعد 1951 میں ہوئے پہلے الیکشن میں پنڈت نہرو کی قیادت میں کانگریس نے 489 میں سے 369 نشستیں جیتی تھیں۔ 1971 میں آنجہانی اندرا گاندھی کو بھی اسی طرح کامیابی حاصل ہوئی تھی جب انہوں نے 518 میں سے 352 سیٹیں جیتی تھیں۔ 1980 میں دوبارہ انہوں نے اس طرح کی کامیابی حاصل کی تھی، لیکن 1984 میں راجیو گاندھی کو آزادی کے بعد سب سے بڑی اکثریت حاصل ہوئی تھی جب کانگریس کو 514 میں 404 سیٹوں پر کامیابی ملی تھی۔ 2019 کا الیکشن آزادی کے بعد کی تاریخ کا ایک بدترین الیکشن تھا جس میں اخلاق و ضوابط کی کھلے عام دھجیاں اڑائی گئیں اور مودی جی و ان کے ساتھیوں نے ذاتیات پر حملے کئے، یہاں تک کہ مرے ہوئے لوگوں کو بھی نہیں بخشا گیا۔ بی جے پی کے لوگ کامیابی سے اس قدر مسرور ہیں کہ انہیں یہ نظر نہیں آتا کہ جو نتائج آئے ہیں، اس پر پورے ملک کے عوام حیران ہیں۔ یہی وجہ ہے کہ 23 مئی کو بی جے پی کے دفتر کے باہر جشن تو منایا گیا لیکن لک میں عوامی سطح پر کہیں کوئی جشن نہیں منایا گیا۔ کیونکہ لوگ جانتے ہیں کہ انہیں ٹھگا گیا ہے اس لئے یہ راہل گاندھی کی ہار نہیں دیش کی ہار ہے، جمہوریت کی ہار ہے۔ مودی جی جیت ضرور گئے ہیں مگر پورا ملک نا ٹے میں ہے۔

□□□

खूब पीएं पानी नहीं लगेगी लू

खाद्य स्वच्छता के लिए यह सूत्र याद रखें- गर्म करें, उबालें, पकाएं, छीलें फिर खाएं। कोई भी भोजन या तरल, यदि उपयोग करने से पहले गर्म किया जाता है, तो संक्रमण का कारण नहीं बन सकता। कोई भी तरल या पानी, यदि उपयोग करने से पहले उबाला जाता है, तो संक्रमण का कारण नहीं बन सकता है। कोई भी फल, जो हाथों से छीला जा सकता है, उदाहरण के लिए, केला और नारंगी, तो वो भी संक्रमण का कारण नहीं बन सकता है।

गर्मियों में अत्यधिक पसीना आने के कारण इस मौसम में वयस्कों के शरीर में पानी की जरूरत 500 मिलीलीटर बढ़ जाती है। इसका ध्यान रखते हुए खूब पानी पीना आपको हीट सट्रोक से बचाएगा। लंबे समय तक गर्मी में रहने के कारण होने वाली तीन सबसे आम समस्याएं हैं, जिनमें ऐंठन, थकावट और हीट स्ट्रोक शामिल हैं। अत्यधिक पसीना निकलने से मूत्र और लार के रूप में तरल पदार्थ तथा इलेक्ट्रोलाइट्स का प्राकृतिक नुकसान होता रहता है, जिससे डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट्स का तीव्र असंतुलन हो सकता है। हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. के.के. अग्रवाल का कहना है, गर्मियों में अत्यधिक पसीना आने के कारण वयस्कों में पानी की आवश्यकता 500 मिलीलीटर तक बढ़ जाती है। यह टाइफाइड, पीलिया और दस्त का मौसम भी है। इसके कुछ कारणों में पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना और खराब भोजन, पेयजल व हाथों की स्वच्छता न रखना शामिल है। आपका पर्यावरण तय करता है कि आपको कितना पानी पीना चाहिए। गर्म जलवायु वाले व्यक्तियों को पसीने के माध्यम से खोए हुए तरल की भरपाई करने के लिए अधिक पानी पीना चाहिए।

फल, सब्जियों में गर्मी से लड़ने का हथियार

लौकी, तोरी, टिंडा, कद्दू आदि गर्मियों की सब्जियां हैं, जो बेलों पर उगती हैं। इन सभी में पानी की मात्रा अधिक होती है और ये मूत्रवर्धक होती हैं। ये प्रकृति के कुछ नियमों का पालन करती हैं। प्रकृति हमेशा उस मौसम के रोगों को रोकने के लिए जानी जाने वाली सब्जियों और फलों का उत्पादन करती है। उदाहरण के लिए, नारियल तटीय क्षेत्रों में उगते हैं, क्योंकि वे आर्द्रता संबंधी विकारों से प्रतिरक्षा प्रदान करते हैं। गर्मियों में आम पकते है, क्योंकि आम का पना गर्मी के विकारों को रोक सकता है।

हो सकता है निर्जलीकरण

अधिक समय तक धूप में रहने, शारीरिक गतिविधि, उपवास, तीव्र आहार, कुछ दवाओं और बीमारी व संक्रमण के चलते निर्जलीकरण कही भी और कभी भी हो सकता है। इसके आम लक्षणों में थकान, चक्कर आना, सिरदर्द, गहरे पीले रंग का मूत्र, शुष्क मुंह और चिड़चिड़ापन शामिल हैं। इसलिए इस मौसम में खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना महत्वपूर्ण है।

चिल्ला सांई मंदिर पर सांईबाबा का आशीर्वाद लेते हुए सागर टुटेजा, गौरव अरोडा, रणवीर सिंह, एडवोकेट के.के. सिंह साथ में भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था।

माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देते हुए विपिन दादा शंकर राव कोल्हे ट्रस्टी शिरडी सांई संस्थान।

आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलीला ग्राउंड दिल्ली में 8-5-19 को सुनील यादव अध्यक्ष भाजपा युवामोर्चा को बधाई देते हुए।

मदर्स डे के अवसर पर मां (श्रीमती मिशरो देवी) और भतीजी पिहू के साथ भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था।

कोटला गांव में रिषभ वाटिका में 10-5-19 को दीपक बंसल के पुत्र के नामकरण के अवसर पर सुनील यादव अध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा, सुंदर चौधरी (एडवोकेट अर्चना कुमारी) शाहदरा बार एशोसिएशन सदस्य, भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था बच्चे को आशीर्वाद देते हुए।

कोटला गांव बूथ में सुनीता सिंह कोषाध्यक्ष चिल्ला सांई मंदिर व अन्य ने वोट डालकर अंगुली में लगी स्याही दिखाते हुए।

त्रिलोकपुरी ब्लॉक-31 की आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष की 25वीं सालगिरह के मौके पर भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था।

खुरेजी में दो पुस्तकों का अनावरण करते हुए सतीश जी, देवेन्द्र सिंह, भगतराम जी द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। जिसमें विनोद बछोती, देवी बाबा स्वयंसेवक, के. डी. पी. यादव, रणवीर सिंह, भाई सुरजीत सिंह पूर्व निगम पार्षद आदि मौजूद रहे।

गाजीपुर के विनोद शर्मा के बड़े भाई की 25वीं सालगिरह के मौके पर भाई सुरजीत सिंह अध्यक्ष सांई सेना संस्था, निमेश दीक्षित स्वयं सेवक बधाई देते हुए।

RNI NO.- DELMUL/2011/36823 DL(E)-20/5355/2017-19 Date of Dispatch 12&13 Every Month

साईं सेना एवं ऊँ साईं मंदिर न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष भाई सुरजीत सिंह द्वारा जनहित में चल रहे निःशुल्क 21 सूत्रीय कार्यक्रम

26 ब्लॉक त्रिलोकपुरी पर कम्प्यूटर, सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर एवं कोचिंग सेंटर।

चिल्ला गांव में चौ. धनपाल के यहां पर निःशुल्क कम्प्यूटर सेंटर।

बी-12, न्यू अशोक नगर में कम्प्यूटर सेंटर।

- गरीब बच्चों को निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा।
- गरीब बालिकाओं के लिए निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई व ब्यूटीशियन प्रशिक्षण।
- गरीब महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण।
- विधवा और बुजुर्गों को सरकार द्वारा तथा अलग से आजीवन पेंशन।
- गरीब कन्याओं के विवाह में आर्थिक मदद।
- पार्कों में पर्यावरण सुधार हेतु प्राइवेट मालियों की तैनाती।
- विकलांगों के लिए पेंशन और निःशुल्क ट्राई साइकिल का वितरण।
- निसहाय व गरीब लोगों को कंबल वितरण।
- जन्म, मृत्यु और निवास प्रमाण पत्र बनवाने में सरकारी कार्यालयों में सहयोग।
- निःशुल्क जल टैंकर की व्यवस्था।
- पहचान पत्र और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में सहयोग।
- जनजाति व अनूसचित जनजाति प्रमाण पत्र बनवाने में मदद।
- राशन कार्ड बनवाने में सरकारी कार्यालयों में सहयोग।
- गरीब बच्चों के लिए स्कूल फीस व निःशुल्क पुस्तकों की व्यवस्था।
- रक्तदान शिविर का आयोजन हर साल नवंबर माह के पहले रविवार को समय पड़ने पर मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था।
- धार्मिक सौहार्द के लिए रोजा इफ्तार, ईद, क्रिसमस, होली और दीपावली मिलन।
- प्रत्येक वर्ष 6 जनवरी को त्रिलोकपुरी साईं धाम मंदिर में और 28 फरवरी को गांव चिल्ला मयूर विहार फेस-1, में साईं बाबा की पालकी के साथ भ्रमण व साईं संध्या व साईं भंडारा।
- प्रत्येक बृहस्पतिवार दोनों मंदिरों पर साईं भजन संध्या और भंडारे का नियमित आयोजन।
- आंखों की जांच और चश्मे का वितरण।
- शिरडी दर्शन हेतु सेवकों के लिए आने-जाने की व्यवस्था।
- वरिष्ठ वकीलों द्वारा जरूरतमंद को निःशुल्क कानूनी सलाह।

कार्यालय : चिल्ला साईं मंदिर, मयूर विहार फेस-1, दिल्ली-91, फोन नं. : 9810134254, 011-22711648